हिंदी दैनिक अखबार

बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना, रविवार, 22 फरवरी 2026 | वर्ष : 5, अंक : 57 पृष्ठ : 8, मूल्य : निशुल्क | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com | सम्पादक : कृष्णा टेकड़ीवाल

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला का राष्ट्रपति भवन में स्वागत, दोनों देशों के बीच बैठक

नई दिल्ली,(एजेंसी)। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा का राष्ट्रपति भवन में स्वागत किया गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी भी मौजूद थे। दोनों नेताओं के बीच दिल्ली के हैदराबाद हाउस में बैठक हुई। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच व्यापारिक समझौते को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम साबित हो सकती है, जिसमें क्रिटिकल मिनरल्स, रेयर अर्थ्स, डिफेंस, एनर्जी और एआई जैसे क्षेत्रों पर खास फोकस किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्राजीली राष्ट्रपति लूला 18 से 22 फरवरी तक भारत के राजकीय दौरे पर हैं। भारत-ब्राजील संबंधों पर लुला ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार सिर्फ 15 अरब डॉलर है, जिसे 30-40 अरब तक बढ़ाना चाहिए। वे 260 ब्राजीलियाई व्यवसायियों के

साथ आए हैं ताकि अंतरिक्ष, रक्षा, फार्मा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी हो। एयरोस्पेस कंपनी एम्ब्रेयर भारत में प्लांट खोलेगी। दोनों देश ग्लोबल साउथ के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं और उदाहरण पेश कर सकते हैं। लुला ने यह बात एक इंटरव्यू में कही थी। शनिवार को पीएम मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के बीच होने वाली द्विपक्षीय मुलाकात में क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ्स पर एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। यह समझौता दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी का एक प्रमुख हिस्सा है, जो ग्लोबल सप्लाई चेन में चीन की निर्भरता कम करने, ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन को सपोर्ट करने और विकासशील देशों की आवाज को मजबूत करने पर केंद्रित है। रिपोर्ट के मुताबिक यह समझौता दोनों देशों को कच्चे माल के निर्यातक से आगे बढ़ाकर प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन और रिसाइक्लिंग में भागीदार बनाने पर जोर देता है। चीन पर निर्भरता कम करना, खासकर ईवी बैटरी, रिन्यूएबल एनर्जी और हाई-टेक इंडस्ट्री के लिए होगा। वहीं भारत की प्रोसेसिंग और रिफाइनिंग क्षमता ब्राजील के संसाधनों के साथ जोड़ी जाएगी। भारतीय कंपनियां ब्राजील में निवेश कर सकती हैं, जबकि ब्राजील भारतीय टेक्नोलॉजी और मार्केट एक्सेस चाहता है। क्लीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और एआई से जुड़े टेक्नोलॉजी के लिए जरूरी मिनरल्स की सुरक्षित आपूर्ति पर समझौता हो सकता है।

वलसाड में कार-ट्रक की भीषण टक्कर में चली गई सात लोगों की जान

वलसाड,(एजेंसी)। गुजरात के वलसाड जिले के कपराडा इलाके में कुंभ घाट के पास शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इको कार और एक ट्रक के बीच हुई जोरदार टक्कर के कारण हुआ। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार सवार सभी लोग आंबा जंगल क्षेत्र के निवासी थे और कपराडा से नानापोढ़ा की ओर जा रहे थे। कुंभ घाट के पास सामने से आ रहे ट्रक से उनकी कार की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना भयावह था कि मौके पर ही सात लोगों ने दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान एक ही परिवार के सदस्यों के रूप में हुई है, जिससे पूरे इलाके में मातम पसर गया है। हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटना के बाद सड़क पर लंबा जाम लग गया, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद हटाया गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया। प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार और घाट क्षेत्र की घुमावदार सड़क को हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है। हालांकि पुलिस ने मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

लाल किला सहित देश के कई बड़े मंदिर आतंकियों के निशाने पर, सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर

नई दिल्ली,(एजेंसी)। खुफिया एजेंसियों ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित देश के कई बड़े शहरों में आतंकी हमले की आशंका को देखते हुए एक बड़ा अलर्ट जारी किया है। ताजा खुफिया इनपुट्स के अनुसार, पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले और अन्य प्रमुख शहरों के प्रसिद्ध मंदिरों को निशाना बनाने की साजिश रच रहा है। इस खतरे को देखते हुए देश भर के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त कर दी गई है। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, आतंकी संगठन का मुख्य उद्देश्य भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों और धार्मिक केंद्रों को निशाना बनाकर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ना और देश में दहशत का माहौल पैदा करना है। विशेष रूप से अयोध्या, वाराणसी और मथुरा जैसे धार्मिक महत्व वाले शहरों के प्रमुख मंदिरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अंदेशा जताया गया है कि आतंकी लाल किले के

आसपास के क्षेत्रों और पुरानी दिल्ली के घनी आबादी वाले चांदनी चौक इलाके में मौजूद मंदिरों में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस के जरिए धमाके करने की कोशिश कर सकते हैं। सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, यह साजिश 6 फरवरी को इस्लामाबाद की एक मस्जिद में हुए धमाके के प्रतिशोध के रूप में रची गई है। पाकिस्तान ने उस घटना के लिए निराधार रूप से भारत पर आरोप लगाए थे, जिन्हें भारत सरकार ने पूरी तरह खारिज कर दिया था। अब खुफिया सूचनाओं से संकेत मिले हैं कि लश्कर के आतंकी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। इनपुट्स मिलने के बाद दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने संवेदनशील क्षेत्रों, विशेषकर पुरानी दिल्ली और पर्यटन केंद्रों पर निगरानी बढ़ा दी है। अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ-साथ संदिग्ध वाहनों की सघन तलाशी ली जा रही है और एंटी-सैबोटेज जांच शुरू कर दी गई है। नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

जेपी नड्डा ने सीआरआई कसौली में की नई टीडी वैक्सीन लॉन्च

सोलन,(एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश के सोलन जिला स्थित केंद्रीय अनुसंधान संस्थान (सीआरआई) कसौली में टीटनेस और एडल्ट डिफ्थीरिया (टीडी) वैक्सीन का औपचारिक शुभारंभ किया। यह स्वदेशी वैक्सीन सीआरआई के वैज्ञानिकों के प्रयासों से विकसित की गई है और अब इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जाएगा। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि यह टीडी वैक्सीन किशोरों, वयस्कों तथा गर्भवती महिलाओं को टीटनेस और डिफ्थीरिया जैसी गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि यह वैक्सीन पूर्व में उपयोग की जा रही टीटनेस टॉक्सॉइड (टीटी) वैक्सीन का स्थान लेगी, जिससे डिफ्थीरिया के विरुद्ध भी अतिरिक्त सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। मंत्री ने कहा कि भारत

दवाओं और वैक्सीन निर्माण के क्षेत्र में विश्वस्तरीय पहचान बना चुका है और इसमें सीआरआई कसौली की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। लगभग 120 वर्षों के इतिहास वाले इस संस्थान ने देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने में अहम योगदान दिया है। उन्होंने वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। स्वदेशी तकनीक से विकसित इस वैक्सीन के लॉन्च को सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे देश में टीकाकरण अभियान को और मजबूती मिलेगी।

खास / खबरे

अमेरिकी टैरिफ पर कांग्रेस ने कहा- मामला कोर्ट में था, केंद्र को जल्दबाजी नहीं करना थी

नई दिल्ली(एजेंसी)। टैरिफ को लेकर अमेरिकी अदालती घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के साहसिक कदम की सराहना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि अदालत की वैचारिक बनावट के बावजूद 6-3 का यह निर्णय ट्रंप की पूरी टैरिफ रणनीति के लिए एक बड़ा झटका है। रमेश के अनुसार, यह फैसला राष्ट्रपति की शक्तियों पर अंकुश लगाने और लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा उदाहरण है। वहीं, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इस फैसले के बहाने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब अमेरिकी अदालत में यह मामला लंबित था, तो भारत सरकार ने इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई? खेड़ा ने आरोप लगाया कि यदि भारत कुछ दिन और इंतजार करता, तो देश एकतरफा और कथित तौर पर भारत-विरोधी व्यापार सौदे में फंसने से बच सकता था। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा फरवरी की शुरूआत में वॉशिंगटन को किए गए फोन कॉल और भारत की शुरूआती इंतजार करने की रणनीति में आए बदलाव पर सवाल उठाते हुए इसे कूटनीतिक चूक करार दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी अदालत का यह फैसला वैश्विक व्यापारिक परिदृश्य को बदल सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप जिस आपातकालीन कानून के सहारे वैश्विक व्यापार को अपने अनुसार ढालने की कोशिश कर रहे थे, उसे अब कानून सम्मत नहीं माना गया है। इससे उन देशों को बड़ी राहत मिली है जो अमेरिकी टैरिफ के कारण आर्थिक दबाव झेल रहे थे। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि अमेरिकी प्रशासन इस कानूनी बाधा के बाद अपनी नई आर्थिक रणनीति किस प्रकार तैयार करता है और भारत के साथ हुए हालिया समझौतों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक और दूरगामी फैसले में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लागू किए गए व्यापक व्यापारिक शुल्कों (टैरिफ) के बड़े हिस्से को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया है। 6-3 के बहुमत से आए इस निर्णायक फैसले ने न केवल ट्रंप के आर्थिक एजेंडे के मुख्य स्तंभ को ध्वस्त कर दिया है, बल्कि भारत सहित अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के लिए भी नई स्थितियां पैदा कर दी हैं। इस अदालती आदेश के बाद भारत में भी राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है, जहाँ विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार की विदेश और व्यापार नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अमेरिकी शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने बहुमत का पक्ष रखते हुए राष्ट्रपति की कार्यकारी शक्तियों की संवैधानिक सीमाओं को स्पष्ट किया। अदालत ने यह निर्धारित किया कि राष्ट्रपति के पास 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत बिना संसदीय अनुमति के वैश्विक व्यापार को पूरी तरह से पुनर्गठित करने या असीमित मात्रा और अवधि के लिए आयात शुल्क थोपने का अधिकार नहीं है। फैसले में स्पष्ट किया गया कि इस तरह के व्यापक आर्थिक बदलावों के लिए स्पष्ट विधायी अनुमति अनिवार्य है और राष्ट्रपति एकतरफा तरीके से इन शक्तियों का प्रयोग नहीं कर सकते।

नाबालिग आरोपित की पहचान बताने पर रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने द्वारका एसयूवी दुर्घटना के 17 वर्षीय नाबालिग आरोपित की पहचान उजागर करने पर मीडिया को रोक लगा दी है। अदालत ने कहा कि प्रेस की आजादी महत्वपूर्ण है, लेकिन नाबालिग की पहचान सुरक्षित रहनी चाहिए। यह रोक आरोपित के पिता की याचिका पर लगाई गई है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर 9 जुलाई तक जवाब मांगा है। द्वारका सड़क दुर्घटना में एक 23 साल के साहिल की जान चली गई थी। आरोपित की पहचान उजागर करने पर रोक लगाने की मांग को लेकर उसके पिता द्वारा दायर याचिका पर अदालत ने कहा कि प्रतिवादियों को मामले में हुई प्राथमिकी में नाबालिग आरोपित की जानकारी देने से अगली सुनवाई तक रोक लगाई जाती है।

घर के पास पब्लिक टॉयलेट पर हाईकोर्ट खफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी के घर के पास सार्वजनिक यूरिनल और खुला कूड़ादान होना संविधान के तहत स्वच्छ और स्वस्थ माहौल में गरिमा के साथ जीने के अधिकार का उल्लंघन है। कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम को चार हफ्तों में इन्हें हटाने का आदेश दिया। दिल्ली हाई कोर्ट ने सम्मान के साथ जीने के अधिकार को लेकर कहा है कि किसी के घर के ठीक पास पब्लिक यूरिनल और खुला कूड़ेदान होना संविधान के तहत साफ और हेल्दी माहौल में सम्मान के साथ जीने के अधिकार का उल्लंघन है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस अमित बंसल ने दिल्ली नगर निगम को चार हफ्ते के अंदर इन्हें हटाने का आदेश दिया। जस्टिस अमित बंसल ने कहा कि साफ-सुथरा माहौल हेल्दी जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा है और हेल्दी माहौल की कमी सम्मान के साथ जीने के अधिकार को खत्म करती है। दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट ने यह आदेश एक वकील की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया, जिसमें उसकी संपत्ति की पूर्वी दीवारों पर बिना इजाजत के खुला कूड़ेदान और पेशाबघर बनाने के खिलाफ शिकायत की गई थी।

आरएसएस से जुड़े मानहानि मामले में भिवंडी कोर्ट में पेश हुए राहुल गांधी

मुंबई,(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आरएसएस से जुड़े मानहानि मामले में महाराष्ट्र भिवंडी कोर्ट में पेश हुए। हालांकि, राहुल गांधी और उनके कुछ वकील ही अदालत के अंदर गए। इसके अलावा किसी और को कोर्ट में जाने की इजाजत नहीं थी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की शनिवार को महाराष्ट्र के भिवंडी कोर्ट में पेशी हुई। जो 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ अपनी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर उनपर दर्ज मानहानी केस से जुड़ी है। राहुल गांधी ने कोर्ट में पहुंचकर नया जमानतदार पेश किया। इसके बाद वे कोर्ट से निकल गए। पहले इस केस में शिवराज पाटिल चकुरकर उनके जमानतदार थे, लेकिन उनके निधन हो चुका है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीते दिन ही राहुल गांधी लखनऊ के सुल्तानपुर में एमपी-एमएलए कोर्ट में भी पेश हुए थे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में शुक्रवार को उनकी कोर्ट में पेशी थी। अब शनिवार को राहुल गांधी की भिवंडी कोर्ट में एक दूसरे मामले में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद राहुल गांधी के वकील ने बताया कि ये मानहानि का मामला है। भिवंडी के एक आरएसएस कार्यकर्ता ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। इस मामले में जमानतदार रहे पूर्व शिवराज पाटिल का निधन हो गया, जिसके चलते नए जमानतदार की जरूरत पड़ी। वकील ने आगे कहा कि इसके लिए शनिवार को राहुल गांधी के साथ हमारे महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल जी भी मौजूद थे। हमें विश्वास है कि इस मामले की सच्चाई सामने आएगी और हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। राहुल गांधी ने साफ कर दिया है कि वो इस मामले को आगे बढ़ाएंगे और सच्चाई जो भी हो, उसे पूरी दुनिया के सामने पेश करना जरूरी है। हम सही समय पर अपने सबूत पेश करेंगे, अदालत के निदेर्शानुसार मामले की सुनवाई मार्च में होगी। वकील ने कहा कि हम नए जमानतदार उपलब्ध कराएंगे। हम आज अदालत में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के जमानत पत्र पेश कर रहे हैं। बीजेपी ने दिखाए काले झंडे, कांग्रेस ने किया सवाल भिवंडी कोर्ट जाने के दौरान राहुल गांधी को विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। मुंबई से ठाणे जाते हुए उन्हें एक टोल नाके पर बीजेपी युवा मोर्चा ने काले झंडे दिखाए और उनका विरोध किया। इस विरोध पर मुंबई युवा कांग्रेस की प्रेसिडेंट जीनत शबरीन और मुंबई कांग्रेस के वाइस प्रेसिडेंट अखिलेश यादव ने पूछा कि क्या बीजेपी प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर दर्ज की जाएगी, जैसे दिल्ली में एआई समिट में विरोध करने पर युवा कांग्रेस के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था?

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने किया कांग्रेस कार्यालय का घेराव......देश के अपमान के लिए माफी मांगें राहुल गांधी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में मौजूद भारत मंडपम में शुक्रवार को यूथ कांग्रेस के कार्यकताओं ने एआई समिट में टी शर्ट उतारकर विरोध प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की। इसके जवाब में अब भारतीय जनता पार्टी का युवा मोर्चा भी सड़क पर उतर गया। शनिवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ता और दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा और अन्य नेताओं ने कांग्रेस मुख्यालय का घेराव किया। कांग्रेस कार्यालय का घेराव कर रहे बीजेपी कार्यकताओं की मांग है कि देश का विश्व पटल पर अपमान करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस को देश से माफी मांगना चाहिए। बीजेपी युवा मोर्चा ने साजिश में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस विरोध प्रदर्शन में बीजेपी सांसद मनोज तिवारी भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश का गद्दार है। जनता ने उनकी वहीं पिटाई कर दी थी। ये कांग्रेस और खासकर राहुल गांधी के अंदर की हताश है। दिल्ली और देश की जनता राहुल गांधी को

कभी माफ नहीं करेगी। बीजेपी सांसद तिवारी ने कहा कि एआई समिट में 80 से ज्यादा देशों के लोग आए हैं और भारत की दिल खोलकर सराहना की। ये भारत का एआई इंपैक्ट समिट था। इस समिट में भारतीय वैज्ञानिकों की तारीफ हुई। उन्होंने कहा कि हम आगे जाकर दुर्घटनाओं को कैसे कम कर सकते हैं, ये भी इसमें बताया गया। उन्होंने कहा कि हर साल 5 लाख सड़क दुर्घटना होती हैं। इन दुर्घटनाओं में 2.5 लाख लोग मरते हैं। हमारी सरकार इन एक्सीडेंट की संख्या को 4 लाख तक लाए। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि कल की घटना कोई मामूली घटना नहीं है। ये राहुल गांधी और कांग्रेस की ओछी मानसिकता का परिणाम है।

किराए के कुछ गुंडे कांग्रेस ने समिट में भेज दिए। एक गरीब चाय वाले का बेटा देश का प्रधानमंत्री बन गया ये बात गांधी परिवार को बीते 11 सालों से हजाम नहीं हो रही है। पीएम मोदी का विरोध करते करते देश का विरोध करने लगे उन्हें पता ही नहीं चला। ये समिट देश की तरक्की को बताता है। भारत विश्व गुरु बनने वाला है ये बताता है। राहुल गांधी का खून इटली का है।

एक नजर

फुलौत रोड पर दर्दनाक हादसा, बाइक सवार दो युवकों की मौत

सुभाष अग्रवाल। दैनिक बिहार पत्रिका

मधेपुरा। चौसाझ्फुलौत रोड पर फरदापारी के समीप शुक्रवार शाम करीब साढ़े छह बजे हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। मृतकों की पहचान मोरसंडा पंचायत के वार्ड संख्या-4 धाने-माने डीह निवासी चंदेश्वरी मंडल के पुत्र कृष्णा कुमार (18 वर्ष) और किशोर मंडल के पुत्र राहुल कुमार (20 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि दोनों युवक मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। फुलौत के प्रभारी थानाध्यक्ष रोशन कुमार ने बताया कि दुर्घटना में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। समाचार लिखे जाने तक पीड़ित पक्ष की ओर से कोई आवेदन नहीं दिया गया था।

गोगरी अनुमंडल अस्पताल में मातृ सुरक्षा योजना के तहत एएनसी जांच शिविर आयोजित

संवाददाता। दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया (गोगरी)। गोगरी अनुमंडल अस्पताल में शनिवार को मातृ सुरक्षा योजना के अंतर्गत एएनसी (एंटिनेटल केयर) जांच शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले इस शिविर में कुल 60 गर्भवती महिलाओं की विस्तृत स्वास्थ्य जांच की गई। यह शिविर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चंद्र प्रकाश एवं महिला चिकित्सक डॉ. गुंजन कुमारी की देखरेख में संपन्न हुआ। जांच के दौरान गर्भवती महिलाओं का ब्लड प्रेशर, ब्लड ग्रुप, हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, एचआईवी, अल्ट्रासाउंड एवं सीबीसी टेस्ट किया गया। इसके अतिरिक्त उनका वजन और लंबाई भी मापी गई। डॉक्टरों ने गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण परामर्श दिए। गर्भावस्था के दौरान हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया। महिलाओं को फल, चुकंदर एवं अन्य पौष्टिक आहार के नियमित सेवन की सलाह दी गई। जांच कार्यों में डॉ. दीपक कुमार, डॉ. गुंजन कुमारी, टेक्नीशियन सुधीर पाठक, मोहम्मद साबिर एवं आशीष रंजन ने सहयोग किया। एएनएम संगीता कुमारी, रीता कुमारी, रजनी कुमारी, रंजू कुमारी, रिंकू कुमारी सहित कई आशा कार्यकर्ता एवं ममता भी शिविर में उपस्थित रहीं। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे।

नगर निगम आयुक्त ने जनता दरबार में सुनी समस्याएं, त्वरित कार्रवाई के निर्देश

धीरज गुप्ता। दैनिक बिहार पत्रिका

गयाजी। गया नगर निगम कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में नगर आयुक्त अभिषेक पलासिया ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दरबार में भविष्य निधि, साफ-सफाई, अनधिकृत निर्माण, जॉब कार्ड पर नियोजन सहित लगभग पांच आवेदनों पर सुनवाई की गई। नगर आयुक्त ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को अग्रेतर कार्रवाई के लिए अग्रसारित किया। नगर आयुक्त द्वारा प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक जनता दरबार का आयोजन किया जाता है, जहां नागरिक अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रख सकते हैं। प्राप्त शिकायतों को संबंधित पोर्टल पर अपलोड कर पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए यह पहल लगातार जारी रहेगी।

गया में सिटी सेंट्रल हॉस्पिटल का शुभ उद्घाटन

दैनिक बिहार पत्रिका गया

गया। शहर के गेवालबिगहा मोड़, साईं मंदिर के समीप सिटी सेंट्रल हॉस्पिटल का विधिवत शुभ उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के गणमान्य लोग एवं चिकित्सक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बेलागंज विधानसभा के पूर्व राजद प्रत्याशी डॉ. विश्वनाथ यादव तथा विशेष अतिथि के रूप में रेनबो हॉस्पिटल के डायरेक्टर संजीत कुमार शामिल हुए। सिटी सेंट्रल हॉस्पिटल के निदेशक नीतीश कुमार, गुड्डु कुमार, धीरज कुमार, डॉ. चितरंजन शर्मा, डॉ. विक्रम कुमार, डॉ. पवन कुमार एवं तूफान सर भी समारोह में मौजूद रहे। मुख्य अतिथि डॉ. विश्वनाथ यादव ने फीता काटकर अस्पताल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि शहर के मध्य में इस अस्पताल के खुलने से गया शहर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार यहां आईसीयू, जनरल सर्जरी, अल्ट्रासाउंड, ऑर्थो, न्यूरोलॉजी, लेप्रोस्कोपी सर्जरी, प्रतिदिन ओपीडी सेवा एवं एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध रहेगी। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा विभिन्न रोगों का उपचार किया जाएगा। अस्पताल के शुभारंभ से स्थानीय लोगों में उत्साह देखा गया और उम्मीद जताई जा रही है कि इससे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी।

पुरैनी में 26 फरवरी को गूंजेगा जय श्री श्याम, निकलेगी भव्य निशान यात्रा

फाल्गुन उत्सव में पूरे बाजार का होगा भ्रमण, 27 को श्याम मंदिर में ज्योत, भजन-कीर्तन और दिव्य श्रृंगार

सुभाष अग्रवाल दैनिक बिहार पत्रिका

मधेपुरा। जिले के पुरैनी में 26 फरवरी 2026 को बाबा खाटू श्याम के पावन फाल्गुन उत्सव के अवसर पर भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। शिव मंदिर, मारवाड़ी मोहल्ला से प्रारंभ होने वाली यह यात्रा पूरे बाजार क्षेत्र को भक्तिमय रंग में रंग देगी। श्रद्धालु हाथों में निशान लेकर ह्लजय श्री श्यामह्व के जयकारों के साथ मुख्य बाजार, गौशाला रोड और थाना रोड होते हुए श्याम मंदिर पहुंचेंगे, जहां श्रद्धापूर्वक बाबा को निशान अर्पित किया जाएगा। फाल्गुन माह में बाबा खाटू श्याम की विशेष महिमा मानी जाती है। मान्यता है कि सच्चे मन से बाबा का नाम लेने और निशान चढ़ाने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु निशान चढ़ाने की तैयारी में जुटे हैं। 27 फरवरी को एकादशी के शुभ अवसर पर श्याम मंदिर में बाबा का भव्य ज्योत एवं दिव्य श्रृंगार कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मंदिर परिसर में पूरी रात भजन-कीर्तन की स्वर लहरियां गूंजेंगी। अगले दिन बारस पर भी बाबा की ज्योत प्रज्ज्वलित की जाएगी। श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनेगा और पूरा वातावरण श्याममय हो उठेगा। आयोजन को सफल बनाने में नीरव अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, प्रिया केडिया, संजना अग्रवाल, पूजा केजरीवाल, अजय केडिया, सोनू केडिया, रुपेश केडिया, शुभम सुल्तानियां, मौसम चौधरी सहित अनेक श्रद्धालु सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बाबा खाटू श्याम की कृपा प्राप्त करें और इस आध्यात्मिक उत्सव को ऐतिहासिक बनाएं। इस अवसर पर पूरा पुरैनी ह्लजय श्री श्यामह्व के जयघोष से गूंज उठेगा।

सिमराही में मद्यनिषेध की बड़ी कार्रवाई: 45 कार्टन में 1350 बोतल देशी शराब जब्त

ब्यूरो रिपोर्ट। दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल। जिले के सिमराही क्षेत्र में मद्यनिषेध थाना पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 45 कार्टन में कुल 1350 बोतल देशी शराब बरामद की है। इस कार्रवाई के दौरान शराब तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक कार को भी जब्त कर लिया गया। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान एक संदिग्ध कार को रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन में भारी मात्रा में देशी शराब लदी मिली। मौके पर ही दो शराब कारोबारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि शराब की खेप कहां से लाई जा रही थी और किस क्षेत्र में इसकी सप्लाई की जानी थी। मद्यनिषेध थाना पुलिस ने स्पष्ट किया कि बिहार में लागू पूर्ण शराबबंदी कानून के तहत अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। बरामद शराब, जब्त वाहन एवं गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत अग्रिम कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है। जिले में लगातार हो रही ऐसी कार्रवाइयों से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत प्रशासन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

खगड़िया में उद्योग की दस्तक! गोगरी में स्टील प्लांट की संभावना से जगी उम्मीद

हेलीकॉप्टर से पहुंची उद्योग विभाग की टीम, 400 एकड़

ब्यूरो रिपोर्ट। दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। लंबे समय से औद्योगिक विकास के मामले में पिछड़े खगड़िया जिले में अब बड़े उद्योग की उम्मीद जगी है। जहां अब तक लघु एवं कुटीर उद्योगों तक ही विकास सीमित रहा, वहीं गोगरी सर्किल नंबर-एक में स्टील उद्योग लगाने की संभावनाओं ने जिले में नई चर्चा छेड़ दी है। बीते शुक्रवार को उद्योग विभाग की वरीय टीम ने गोगरी सर्किल नंबर-एक के वीरबासझ्पैकांत क्षेत्र में प्रस्तावित भूमि का जायजा लिया। यह दौरा इसलिए भी खास रहा क्योंकि अधिकारी हेलीकॉप्टर से पहुंचे। उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय, पैकांत के मैदान में अस्थायी हेलीपैड बनाया गया था, जहां जिला प्रशासन ने उनका स्वागत किया। टीम में उद्योग विभाग, पटना के निदेशक मुकुल गुप्ता, बियाडा के डीजीएम अमित सिन्हा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। उनके साथ श्यामा स्टील उद्योग की प्रतिनिधि टीम भी मौजूद रही। अधिकारियों ने वीरबास बिजली ग्रिड के आसपास की जमीन, संसाधनों की उपलब्धता, एनएच-31 से संपर्क दूरी और आवागमन की सुविधाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। बताया जा रहा है कि प्रस्तावित स्टील उद्योग के लिए करीब 400 एकड़ जमीन की मांग की गई है। इसी के तहत पैकांत स्थित बियाडा की भूमि का सर्वे किया गया। अधिकारियों ने प्रारंभिक तौर पर जमीन को उपयुक्त बताया है, हालांकि अंतिम निर्णय विस्तृत जांच और औपचारिक प्रक्रिया के बाद ही लिया जाएगा। यदि यह परियोजना धरातल पर उतरती है तो खगड़िया के औद्योगिक नक्शे में बड़ा बदलाव संभव है। रोजगार के नए अवसर खुलेंगे, स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और जिले की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। फिलहाल, पूरे जिले की निगाहें इस प्रस्ताव पर टिकी हैं—क्या यह सपना साकार होगा या फिर पूर्व की तरह अधूरा रह जाएगा?

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते में 5 नाबालिग सुरक्षित, बरहरवा स्टेशन पर आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई

विकास शर्मा। दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। बाल सुरक्षा एवं यात्री संरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बरहरवा रेलवे स्टेशन पर ह्लऑपरेशन नन्हे फरिश्तेह्व के तहत विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन तथा मंडल सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ मालदा आशीम कुमार कुल्लू के पर्यवेक्षण में संचालित किया गया। अभियान के दौरान आरपीएफ पोस्ट बरहरवा के अधिकारियों एवं जवानों ने स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया में सघन जांच अभियान चलाया। जांच के क्रम में पांच नाबालिग बालक असुरक्षित परिस्थिति में पाए गए। तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी बच्चों को सुरक्षित अभिरक्षा में लिया गया आरपीएफ द्वारा आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सभी रेस्क्यू किए गए नाबालिगों को आगे की देखभाल और वैधानिक कार्रवाई के लिए बाल संरक्षण मंथन, बरहरवा को सुपुर्द कर दिया गया। रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया कि रेलवे स्टेशनों पर बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। ह्लऑपरेशन नन्हे फरिश्तेह्व के तहत ऐसे अभियानों को लगातार चलाया जाएगा, ताकि किसी भी नाबालिग को असुरक्षित स्थिति में भटकने से बचाया जा सके और उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

शाखा डाकपाल सुमन कुमारी के निधन पर पोस्टल सोसाइटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन डॉ अरविन्द वर्मा ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

संवाददाता। दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। ज़िले के शेरगढ़ शाखा डाकघर की शाखा डाकपाल सुमन कुमारी की अचानक हृदय गति अवरुद्ध होने के कारण दिव्य लोक की ओर प्रस्थान कर गई। जानकारी मिलते ही खगड़िया जिले के डाककर्मियों के बीच शोक की लहर फैल गई। उक्त जानकारी देते हुए पोस्टल सोसाइटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन डॉ अरविन्द जी ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा सुमन जी अपने घर परिवार का संचालन करते हुए डाक विभाग के कार्यों के प्रति समर्पित थी। अपने डाकघर शेरगढ़ के सभी डाक उपभोक्ताओं के प्रति अपार स्नेह और प्यार पूर्वक अपने कर्तव्य का निर्वाह की जिसे वर्षों भुलाया नहीं जा सकता। आगे डॉ अरविन्द वर्मा ने कहा जब मैं जमालपुर गोगरी में उप डाकपाल के पद पर कार्यरत था उस वक्त डाक विभाग के कार्यों को लेकर कई बार मुलाकात हुई थी। सुमन जी व्यवहार कुशल एवं शांत स्वभाव की दयालु महिला थी। डाक विभाग के राजस्व को बढ़ाने और ग्रामीणों को डाक विभाग की सभी योजनाओं का भरपूर लाभ दिलाया करती थीं। पोस्टल सोसाइटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन डॉ अरविन्द वर्मा ने दिवंगत शाखा डाकपाल सुमन कुमारी के शोक संतप्त परिवार को इस दुःख की घड़ी में ईश्वर धैर्य और साहस प्रदान करने की कामना किया। बेगुसराय की डाक अधीक्षक अर्चना कुमारी ने भी दिवंगत सुमन कुमारी के प्रति शोक संवेदना प्रकट की। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख थे शाखा डाकपाल विनय कुमार गुप्ता (गौरैया बथान) तथा ओम प्रकाश सिंह (कैथी) आदि। सनद रहे, दिवंगत सुमन कुमारी के पति विनय यादव भी एक सच्चे समाज सेवी के रूप में जिलास्तर पर चर्चित रहे हैं। इन्हें खगड़िया के पूर्व विधायक रणवीर यादव, पूनम देवी यादव और ज़िला परिषद अध्यक्ष कृष्णा कुमारी यादव का भरपूर सहयोग मिलता रहा है।

सबका सम्मान-जीवन आसान के तहत बड़ा फैसला: बिहार की सड़कों पर बनेंगे फुटपाथ

भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में जेब्रा क्रॉसिंग, फुट ओवरब्रिज और अंडरपास की व्यवस्था

कृष्णा टेकरीवाल। दैनिक बिहार पत्रिका

पटना। ह्यसबका सम्मान-जीवन आसानह्ण अभियान के तहत राज्य सरकार ने पैदल चलने वाले नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्ण पर जानकारी देते हुए बताया कि सात निश्चय-3 (2025-30) के सातवें निश्चय के अंतर्गत राज्यभर की सड़कों के किनारे फुटपाथ निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों पर बढ़ते वाहनों के कारण पैदल यात्रियों को असुविधा होती है। सड़क पर सुरक्षित और सम्मानपूर्वक चलना उनका पहला अधिकार है। इसी को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं, ताकि पैदल चलने वालों को किसी प्रकार की परेशानी न हो निर्देशों के अनुसार शहरी क्षेत्रों, विशेषकर भीड़-भाड़ वाले स्थानों को चिन्हित कर प्राथमिकता के आधार पर फुटपाथ बनाए जाएंगे। इसके साथ ही चिह्नित जगहों पर जेब्रा क्रॉसिंग की व्यवस्था की जाएगी। जहां आवश्यक होगा वहां फुट ओवरब्रिज, एस्केलेटर और अंडरपास का निर्माण भी कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया है कि सरकारी एवं निजी वाहन चालकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि वे पैदल यात्रियों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील बन सकें। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां फुटपाथ निर्माण के साथ सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे सड़क सुरक्षा का बेहतर आकलन किया जा सके। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि यह पहल राज्य के नागरिकों के दैनिक जीवन को अधिक सुरक्षित और सुगम बनाएगी तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में सहायक होगी।

गया शहर में मांस-मछली दुकानों पर नए नियमों का सख्ती से पालन हो — नीतीश कुमार

धीरज गुप्ता। दैनिक बिहार पत्रिका

गया। बिहार सरकार द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर खुले रूप से मांस-मछली की बिक्री को लेकर जारी किए गए नए नियमों के अनुपालन को लेकर गया शहर में भी आवाज तेज हो गई है। नीतीश कुमार, ग्रुप संचालक गया सिटी एवं भारतीय जनता पार्टी मध्य मंडल मीडिया प्रभारी ने जिला प्रशासन एवं गया नगर निगम से इन नियमों को सख्ती से लागू कराने की मांग की है। नीतीश कुमार ने अपने बयान में कहा कि बिहार के उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा राज्यभर में खुले में मांस-मछली की बिक्री पर रोक लगाने तथा केवल लाइसेंसधारी एवं निर्धारित स्थानों पर ही बिक्री की अनुमति देने का निर्णय स्वागत योग्य है। सरकार के इस निर्णय का उद्देश्य स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा एवं आमजन की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना है। नीतीश कुमार ने कहा कि गया एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की धार्मिक नगरी है, जहां प्रतिदिन देश-विदेश से तीर्थयात्री एवं श्रद्धालु आते हैं। ऐसे में मुख्य बाजारों, सड़कों और धार्मिक मार्गों पर खुले रूप से मांस-मछली की बिक्री शहर की गरिमा एवं श्रद्धालुओं की आस्था को प्रभावित करती है। इसलिए आवश्यक है कि राज्य सरकार के निर्देशों का अक्षरशः पालन कराया जाए। नीतीश कुमार ने गया नगर निगम से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि नगर निगम इस नियम को जमीनी स्तर पर लागू कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। नगर निगम द्वारा नियमित जांच अभियान चलाकर बिना लाइसेंस संचालित दुकानों की पहचान की जाए तथा उन्हें निर्धारित मानकों के अनुरूप स्थानांतरित कराया जाए। साथ ही स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा के मानकों का पालन सुनिश्चित कराया जाए।

नीतीश कुमार ने जिला प्रशासन एवं नगर निगम से संयुक्त रूप से अभियान चलाने की मांग करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों, मुख्य मार्गों एवं धार्मिक स्थलों के आसपास खुले में मांस-मछली की बिक्री पूरी तरह बंद कराई जाए। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि गया शहर की स्वच्छता, धार्मिक गरिमा और सामाजिक सौहार्द बना रहे। अंत में नीतीश कुमार ने सभी दुकानदारों से भी अपील की कि वे सरकार एवं प्रशासन के निर्देशों का पालन करें और शहर की व्यवस्था व सम्मान बनाए रखने में सहयोग दें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की माता स्व. राधा देवी सरावगी के निधन पर श्रद्धांजलि

दैनिक बिहार पत्रिका गया

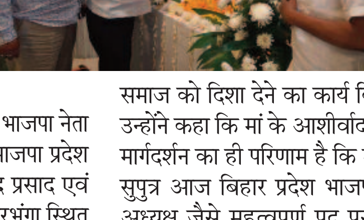

गया/दरभंगा। बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष संजय सरावगी की पूज्य माता स्वर्गीय राधा देवी सरावगी के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए भाजपा नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद एवं अधिवक्ता संतोष ठाकुर दरभंगा स्थित प्रदेश अध्यक्ष के आवास पर पहुंचे। नेताओं ने स्वर्गीय माता जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। संवेदना व्यक्त करते हुए डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि स्वर्गीय राधा देवी जी केवल एक आदर्श माता ही नहीं थीं, बल्कि उन्होंने अपने संस्कारों, त्याग और स्नेह से परिवार और समाज को दिशा देने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि मां के आशीर्वाद और मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि उनके सुपुत्र आज बिहार प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर सुशोभित हैं और जनसेवा के कार्यों में निरंतर समर्पित हैं। राजेंद्र प्रसाद एवं अधिवक्ता संतोष ठाकुर ने भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि यह अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस दुःख की घड़ी में धैर्य और संबल प्रदान करें।

एक नजर

ऑपरेशन होली: पचरूखी मोड़ पर 90 लीटर

चुलाई शराब बरामद, एक गिरफ्तार

संवाददाता। दैनिक बिहार पत्रिका

मुंगेर। जिले के धरहरा थाना क्षेत्र अंतर्गत पचरूखी मोड़ के समीप उत्पाद पुलिस ने ह्लऑपरेशन होलीह्व अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ऑटो से 90 लीटर चुलाई शराब बरामद की है। इस दौरान शराब तस्करी में संलिप्त रूपेश कुमार (24 वर्ष), पिता कारे लाल यादव, निवासी छोटी मिजार्पुर वार्ड-45, थाना कासिम बाजार को गिरफ्तार किया गया। उत्पाद थाना अध्यक्ष आशुतोष कुमार ने बताया कि होली पर्व को देखते हुए जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सीमावर्ती इलाकों में चेक पोस्ट स्थापित कर वाहनों की सघन जांच की जा रही है और शराब कारोबारियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। बरामद शराब और गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया गया है। पर्व को लेकर प्रशासन की सख्ती से अवैध शराब तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है।

बीपी मंडल पुल कूदकांड: तीसरे दिन पत्नी का शव बरामद, पति की तलाश जारी

संवाददाता। दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। बीपी मंडल पुल से दंपती के नदी में कूदने की घटना में तीसरे दिन शनिवार को एसडीआरएफ की टीम ने पत्नी का शव बरामद कर लिया। जबकि पति की तलाश अब भी कोसी नदी में जारी है। जानकारी के अनुसार 19 फरवरी की शाम बीपी मंडल पुल से नवविवाहित जोड़े ने नदी में छलांग लगा दी थी। शनिवार को डुमरी गांव स्थित दुर्गा मंदिर के दक्षिणी छोर पर कोसी नदी किनारे से पत्नी का शव बरामद हुआ। एसडीआरएफ ने शव मिलने की सूचना परिजनों एवं बेलदौर पुलिस को दी। पुलिस ने परिजनों से पहचान कर शव को पोस्टमार्टम के लिए खगड़िया सदर अस्पताल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मृतक दंपती की पहचान तेलिहार पंचायत वार्ड संख्या 7, कदवा बासा निवासी सकलदेव सिंह के 27 वर्षीय पुत्र रूपेश कुमार एवं उनकी 23 वर्षीय पत्नी मंचन कुमारी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि दोनों आधार कार्ड बनवाने के बहाने घर से बाइक पर निकले थे और बीपी मंडल पुल पहुंचकर कोसी नदी में कूद गए। सूत्रों के अनुसार पति-पत्नी के बीच पारिवारिक विवाद चल रहा था। बताया जाता है कि मृतिका अक्सर बिना बताए अपनी बड़ी बहन के घर चली जाती थी, जिससे दोनों के बीच तनाव बना रहता था। घटना से कुछ दिन पूर्व रूपेश द्वारा ससुराल पक्ष से शिकायत किए जाने पर कथित तौर पर विवाद और बढ़ गया था। हालांकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है, वहीं एसडीआरएफ टीम पति के शव की तलाश में लगातार अभियान चला रही है।

दो छात्र गुटों में मारपीट, बीच-बचाव करने गया छात्र गंभीर घायल

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

खगड़िया। जिले के गोगरी प्रखंड अंतर्गत शिरनिया गांव में शनिवार को छात्रों के दो गुटों के बीच हुई मारपीट में एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद घायल छात्र को इलाज के लिए गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल छात्र की पहचान नन्हकू मंडल टोला निवासी नरेंद्र यादव के पुत्र प्रिंस कुमार के रूप में हुई है। शनिवार शाम करीब चार बजे तक अस्पताल में उसका इलाज जारी था। प्रिंस कुमार ने बताया कि दो छात्र गुटों के बीच झगड़ा हो रहा था। वह विवाद को शांत कराने के उद्देश्य से बीच-बचाव करने पहुंचा था। इसी दौरान वह मारपीट की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। पुलिस मामले की जानकारी लेकर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

टोल प्लाजा के पास कार-बाइक की भीषण टक्कर, दो युवक गंभीर घायल

विकास शर्मा। दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। जिले के लोदीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बायपास सड़क पर टोल प्लाजा के समीप शनिवार को कार और बाइक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को तत्काल इलाज के लिए जेएलएनएमसीएच मायागंज में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रीमियम बाइक पर सवार दोनों युवक जीरोमाइल की ओर जा रहे थे, जबकि कार सुल्तानगंज की दिशा से आ रही थी। बताया जा रहा है कि दोनों वाहनों की रफ्तार तेज थी। टोल प्लाजा के पास पहुंचते ही दोनों के बीच सीधी टक्कर हो गई। डायल 112 की टीम और लोदीपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार और बाइक दोनों को जब्त कर लिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार बाइक सवार युवकों ने हेलमेट नहीं पहन रखा था, जिससे उन्हें सिर में गंभीर चोट आई है। डॉक्टरों के मुताबिक दोनों की स्थिति फिलहाल नाजुक बनी हुई है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

जदयू महानगर अध्यक्ष एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा तीन सेक्टर मण्डल अध्यक्ष निर्वाचित हुए

दैनिक बिहार पत्रिका गया

गया जी।गया महानगर जदयू के अंतर्गत 3 सेक्टर अध्यक्षों का चुनाव सफलता पूर्वक गयाजी जिला नगर निर्वाचन पदाधिकारी पुष्पेंदू पुष्प जी की देखरेख में संपन्न हुआ, सर्वप्रथम घुघड़ीटाड़ सेक्टर अध्यक्ष के चुनाव हेतु गयाजी स्थित ब्रह्मयोनी सावित्री मंदिर के पास प्रस्तावित समय सुबह 11:00 से 12:00 के बीच सेक्टर निर्वाचन पदाधिकारी रोशन कुमार उर्फ रोशन ठाकुर एवं निर्वाचन पर्यवेक्षक प्रभात राउत की देखरेख में संपन्न हुआ उक्त स्थल पर अमित कुमार ,सन्नी ठाकुर , भानु चौधरी, दीपक ठाकुर , गोपाल प्रसाद , ऋषि ठाकुर , रीना देवी , शांति देवी एवं चंदन पासवान सहित 20 से अधिक जदयू के क्रियाशील सदस्यों के मतों के प्रयोग करने से मिंता देवी को घुघड़ीटाड़. जदयू सेक्टर अध्यक्ष पुनः निर्विरोध घोषित किया गया है। इसी क्रम के दौरान खरखुरा स्थित विनय के होटल में जदयू खरखुरा सेक्टर के लिए आयोजित चुनाव-कार्यक्रम दोपहर तीन से चार बजे के बीच सेक्टर निर्वाचन पदाधिकारी शिवसागर मेहता एवं निर्वाचन पर्यवेक्षक अमर चंद्रवंशी एवं गया जी जिला नगर निर्वाचन पदाधिकारी पुष्पेंदू पुष्प की की देखरेख में खरखुरा जदयू सेक्टर अध्यक्ष पद राजकुमार शर्मा को पुनः निर्विरोध अध्यक्ष जदयू के क्रियाशील सदस्यों के द्वारा चुन लिया गया है ।उस चुनाव प्रक्रिया के दौरान अनुज वर्मा , संजू देवी , विनय कुमार कुशवाहा , बिरजू कुशवाहा , शंकर राम तुरी , नरेश दांगी , देवेंद्र कुमार, छोटू मांझी, शंभू कुशवाहा की उपस्थिति रही है, इसी क्रम के दौरान विष्णुपद सेक्टर अध्यक्ष के चुनाव के लिए प्रायोजित स्थल नई सड़क स्थित नीरज वर्मा के आवास पर समय सुबह 11:00 से दोपहर 12 के बीच निर्वाचित पदाधिकारी अमरनाथ धोकड़ी एवं निर्वाचन पर्यवेक्षक अमर दास की देखरेख में विष्णुपद सेक्टर अध्यक्ष का चुनाव गया जी जिला नगर निर्वाचन पदाधिकारी पुष्पेंदू पुष्प के मौजूदगी में बबलू कुमार मिश्रा को निर्विरोध सेक्टर अध्यक्ष चुन लियें गए हैं इस चुनाव में जदयू के क्रियाशील सदस्यों सहित ओमप्रकाश , पिंटू ठाकुर , वासुदेव गौड़ नीरज कुमार वर्मा , राजेश , सुषमा बरनवाल , लक्ष्मण बरनवाल , सुरेंद्र प्रसाद , प्रमोद कुमार सिंह पिंटू कुमार की मौजूदगी रही हू। इस चुनाव के दौरान जदयू के गया महानगर के निर्वाचन पदाधिकारी पुष्पेंद्र पुष्प ने कहा की जदयू सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर चलने वाली पार्टी है, सांगठनिक चुनाव के माध्यम से पार्टी की जमीनी पकड़ को और मजबूत किया जाएगा। विष्णुपद सेक्टर अध्यक्ष बबलू कुमार मिश्रा, खरखुरा सेक्टर राजकुमार शर्मा सेक्टर अध्यक्ष। घुघडी टाड सेक्टर मिंता देवी सेक्टर अध्यक्ष।

परबत्ता के अगुवानी घाट का मुख्य सचिव ने किया निरीक्षण

संवाददाता। दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। शनिवार को अमृत प्रत्यय, मुख्य सचिव, बिहार, पटना द्वारा परबत्ता प्रखंड अंतर्गत अगुवानी घाट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान घाट पर उपलब्ध व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों तथा चल रहे विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। इस अवसर पर नवीन कुमार, जिलाधिकारी, खगड़िया एवं राकेश कुमार, पुलिस अधीक्षक, खगड़िया सहित जिले के संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि घाट पर सुरक्षा, स्वच्छता और आमजन की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान विधि-व्यवस्था, यातायात नियंत्रण तथा आपदा प्रबंधन की तैयारियों का भी आकलन किया गया। जिला प्रशासन ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार के निदेर्शानुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित की जाएंगी।

स्मार्ट मीटर पखवाड़ा के तहत गांव-गांव पहुंच ग्रामसभा का आयोजन कर रहा बिजली विभाग

दैनिक बिहार पत्रिका

गया जी। जहानाबाद स्मार्ट मीटर को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा जहानाबाद क्षेत्र में विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। स्मार्ट मीटर पखवाड़ा के तहत आयोजित ग्राम सभाओं के माध्यम से ग्रामीणों और बिजली उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई है।. ग्राम सभा में बिजली विभाग के कर्मियों ने कहा कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के हित में एक महत्वपूर्ण तकनीकी कदम है. इससे सटीक रीडिंग प्राप्त होगी और उपभोक्ताओं को केवल उतनी ही बिजली का भुगतान करना होगा, जितनी वे वास्तव में उपयोग करेंगे. मीटर रीडिंग में मानवीय हस्तक्षेप समाप्त होने से गलत बिलिंग की समस्या पूरी तरह खत्म हो जाएगी, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी। ग्राम सभा और केनोपी जागरूकता कार्यक्रम में बताया गया कि स्मार्ट मीटर के माध्यम से उपभोक्तअपनी बिजली खपत पर स्वयं नजर रख सकेंगे. इससे ऊर्जा की बचत को बढ़ावा मिलेगा और उपभोक्ताओं को अपने खर्च पर बेहतर नियंत्रण मिलेगा. वर्तमान में चल रहे स्मार्ट मीटर पखवाड़ा के अंतर्गत जहानाबाद के गांवों के चौक-चौराहों पर केनोपी लगाकर जागरूक किया गया. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य तकनीकी बदलाव को लेकर लोगों के मन में व्याप्त डर और भ्रम को दूर करना है। जहानाबाद जिले के तीन पंचायत में ग्राम सभा आयोजित किया गया. ग्राम सभा में स्थानीय भाषा में लोगों को तकनीकी पहलुओं की सरल जानकारी दी और स्मार्ट मीटर अपनाने के लिए प्रेरित किया है।. ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सीधे संवाद से उनकी कई शंकाओं का समाधान हुआ है। जहानाबाद जिले के रतनी प्रखंड के उचीटा, शेसम्बा, और रतनी पंचायत मे ग्राम सभा आयोजित किया गया वही रतनी और मखदमपुर क्षेत्र के कई चौक चौराहो पर कैनोपी लगाकर लोगों को जागरूक किया गया है.

डेढ़ साल में तीन तबादले ! राजस्व कर्मी पर गंभीर आरोपों से मचा हड़कंप

पप्पू आलम। दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल। जिले में एक राजस्व कर्मी के डेढ़ वर्ष में तीन बार तबादले को लेकर प्रशासनिक महकमे में चर्चा तेज हो गई है, जानकारी के अनुसार संबंधित कर्मी ने 20 अक्टूबर 2022 को इंटर लेवल परीक्षा के माध्यम से राजस्व विभाग में योगदान दिया था। आरोप है कि उन्होंने पूर्व में अन्य विभागों में भी कार्य किया है और नौकरी दिलाने के नाम पर कथित रूप से नेटवर्क बनाया। कुछ लोगों का यह भी आरोप है कि गैर मजरुआ खास जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े मामलों में भी अनियमितता हुई है। हालांकि इन सभी बिंदुओं की आधिकारिक जांच अभी तक सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आई है। बताया जाता है कि भ्रष्टाचार की आरोप में पूर्व जिलाधिकारी कौशल कुमार के कार्यकाल में जिला स्थापना ज्ञापांक 780-2, दिनांक 28/08/2024 के तहत उन्हें त्रिवेणीगंज अंचल से राघोपुर अंचल में प्रतिनियुक्त किया गया था। हैरानी की बात यह है कि वर्तमान जिला पदाधिकारी सावन कुमार ने जब संबंधित कर्मी को जिला स्थापना शाखा सुपौल के ज्ञापांक 1266, दिनांक 24/12/2025 को त्रिवेणीगंज प्रखंड कार्यालय में प्रतिनियुक्ति के आदेश जारी किया । उस आदेश में त्रिवेणीगंज अंचल से राघोपुर अंचल कार्यालय से हटाकर जिला निर्वाचन शाखा सुपौल प्रतिनियुक्त होने का उल्लेख किया गया है। (अंचल कार्यालय त्रिवेणीगंज प्रतिनियुक्त)से अंचल कार्यालय (राघोपुर)पुनः निर्वाचन शाखा सुपौल किस आधार पर स्थानांतरण पत्रों में हेरा-फेरी की गई, अब सवाल उठता है, संबंधित कर्मी की डेढ़ वर्ष में तीन बार तबादला कहीं ना कहीं बहुत बड़ा जालसाजी का संकेत देता है, यह मुद्दा आमतौर पर नियमों की अनदेखी संलिप्ता दशार्ती है, लोगों का मानना है पूर्व जिला अधिकारी भ्रष्टाचार मुक्त करने के लिए इनको त्रिवेणीगंज से मुक्त किया था। लेकिन पुनः इनको त्रिवेणीगंज प्रखंड मुख्यालय में प्रतिनियुक्त कर संकेत दिया कि भ्रष्टाचार में लिप्त कर्मियों पर कोई कार्रवाई नहीं होती है, मनचाहे तबादला हो जाती है। लगातार तबादलों और आदेशों में कथित विसंगतियों को लेकर स्थानीय लोगों में असमंजस की स्थिति है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाएगी।

हम सेक्युलर के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने विपक्ष पर साधा निशाना

संवाददाता। दैनिक बिहार पत्रिका

गया। गया स्थित गोदावरी आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में संतोष सुमन ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए राज्य और देश से जुड़े मुद्दों पर सरकार की प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार सरकार के मंत्री संतोष सुमन ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता, अखंडता और गौरव से जुड़े विषयों पर संतुलन और जिम्मेदारी आवश्यक है। उन्होंने राहुल गांधी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने की राजनीति देशहित में नहीं है। मंत्री ने कहा कि हाल में आयोजित एआई समिट के माध्यम से भारत की वैश्विक मंच पर मजबूत उपस्थिति दर्ज हुई है और देश की साख बढ़ी है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में विपक्ष द्वारा देश की आलोचना करना दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रेस वार्ता में उन्होंने बिहार की पूर्व कानून-व्यवस्था की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि एक समय राज्य में भय और असुरक्षा का माहौल था। ह्लजंगल राजह्व शब्द का प्रयोग करते हुए उन्होंने दावा किया कि उस दौर में आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस करते थे। उनके अनुसार, वर्तमान सरकार ने कानून-व्यवस्था को मजबूत कर राज्य में शांति और स्थिरता स्थापित की है। विकास के मुद्दे पर मंत्री ने ह्लसात निश्चयह्व कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि बुनियादी ढांचे के विस्तार, पेयजल, सड़क, रोजगार सृजन और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक योजनाएं लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार निवेश-अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है, जिससे बड़े पैमाने पर उद्योग स्थापित होंगे और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि इन प्रयासों से बिहार को विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य साकार होगा और आम जनता के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आएगा। इस अवसर पर गया जिलाध्यक्ष नारायण मांझी, हम सेक्युलर मोर्चा प्रवक्ता दिवाकर कुमार एवं सांसद प्रतिनिधि टुन्नु खां सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

9 महीने में ईडी ने 32,500 करोड़ की संपत्ति की अटैच, सबसे ज्यादा अनिल अंबानी ग्रुप की

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली,(एजेंसी)। इस वित्त वर्ष के पहले 9 महीने में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) 32,500 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच कर चुकी है। केंद्र सरकार के दस साल का रिकॉर्ड देखें तो अटैच की गई जमीन-जायदाद में 8 गुना से ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। इस साल सबसे बड़ी गाज अनिल अंबानी समूह पर गिरी, जिसकी 5600 करोड़ की संपत्ति अटैच की गई। इसके अलावा क्रिप्टो करेंसी फ्रॉड में 4190 करोड़ रुपए, पर्ल ग्रुप पोंजी के 3436 करोड़ रुपए और यूनाइटेड रियल एस्टेट के 1000 करोड़ रुपए की संपत्तियां भी इस दायरे में आई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल की तुलना में इस बार 141फीसदी अधिक संपत्ति अटैच की गई है। एजेंसी कुल मिलाकर अब तक 1.55 लाख करोड़ की संपत्ति अटैच कर चुकी है, जो एक साल के गृह मंत्रालय के बजट के बराबर है। बता दें पिछले 12 साल में ईडी के मामलों में साढ़े सात गुना और जब्त की गई संपत्ति में 12 गुना बढ़ोतरी हुई है। कभी 2012-13 में 62 मामलों में 2347 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई थी, जिसमें से अदालतों में 325 करोड़ रुपए सही पाए गए थे। आर्थिक अपराधियों के खिलाफ ईडी की रोज होने वाली कार्रवाई और संपत्तियां जब्त करने की खबरों की पड़ताल के बाद अदालतों से एक लाख 6 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति को सही माना गया है। वहीं, 30 मामलों में अदालतों ने 15 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति वापस करने का भी आदेश दिया है।

बच्चा चोरी की अफवाह में मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला गिरफ्तार

संवाददाता। दैनिक बिहार पत्रिका

नवादा। जिले के रजौली थाना क्षेत्र अंतर्गत घासयादी मोहल्ले में बच्चा चोरी की अफवाह के बीच शनिवार को एक मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जानकारी के अनुसार मोहल्ले की कुछ महिलाओं ने उक्त महिला को बच्चा चोर बताते हुए आपात सेवा 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को अपने साथ थाना ले आई। बताया जा रहा है कि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह क्षेत्र में इधर-उधर भटक रही थी। संदेह के आधार पर स्थानीय लोगों ने उसे बच्चा चोर करार दे दिया। प्रारंभिक पूछताछ के बाद पुलिस उसे चिकित्सीय जांच के लिए अनुमंडल अस्पताल लेकर गई। अस्पताल परिसर में खबर फैलते ही बड़ी संख्या में महिलाएं और स्थानीय लोग जमा हो गए। भीड़ ने हंगामा शुरू कर दिया और महिला के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महिला को भीड़ से सुरक्षित बाहर निकाला और संरक्षण में लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा महिला की मानसिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई गई है। थानाध्यक्ष ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और कानून को अपने हाथ में न लें। उन्होंने कहा कि अफवाहों से सामाजिक तनाव बढ़ता है और निर्दोष लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बिना सत्यापन के किसी को दोषी ठहराना दंडनीय अपराध है।

(चिंतन-मनन)

सोच समझकर हो प्रशंसा

अक्सर जब तुम प्रशंसा करते हो तो किसी और की तुलना में करते हो। किसी एक की प्रशंसा करने में हम किसी दूसरे को नीचा दिखाते हैं और किसी की गलती को दशार्ने के लिए हम दूसरे की प्रशंसा करते हैं। कुछ लोग प्रशंसा करने में कंजूस होते हैं और कुछ शमीर्ले। कुछ लोगों को प्रशंसा करनी नहीं आती और प्रशंसा करना भूल जाते हैं। कुछ व्यक्ति मतलब के लिए प्रशंसा करते हैं और कुछ तुम्हें उठाने के लिए। कुछ और लोग अपने आत्मविश्वास की कमी को छुपाने के लिए स्वयं की प्रशंसा करते हैं। किन्तु वास्तविक प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से निकलती है। जो प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से आती है, वह स्वरूप से आती है और बिल्कुल भिन्न होती है। साधारणतः प्रशंसा लालसा और दम्भ से आती है। उन्नत चेतना की अवस्था से आई प्रशंसा पूर्णता से उभरती है। निःसंदेह प्रशंसा चेतना को उभारती है और उत्साह व ऊर्जा लाती है। परंतु साथ ही यह घमंड भी ला सकती है।

यदि कोई बच्चा एक प्याली चाय बनाता है तो तुम प्रशंसा करते हो, परंतु वही एक प्याली चाय यदि मां बनाए तो तुम शायद तारीफ न करो, क्योंकि उसके लिए यह नियमित कार्य है। इन सभी स्थितियों में जिन कार्य की तुम प्रशंसा करते हो, वे अल्पकालिक हैं, उनके आचरण से अलग या उनके स्वभाव के विपरीत। तो जब तुम किसी चीज के लिए किसी की प्रशंसा करते हो, तुम संकेत करते हो कि वे लोग साधारणतः ऐसे नहीं हैं। इसका मतलब है कि वह कार्य उनके स्वभाव में नहीं और इसीलिए वे अपनी प्रशंसा चाहते हैं- यह एक विरला गुण या कृत्य है। प्रशंसा एक अलगाव के भाव, एक दूरी को इंगित करती है, इसीलिए प्रशंसा करते समय सावधान रहो।

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने बताए ट्रंप के अधिकार,टैरिफ रद्द

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है। अमेरिका की सर्वोच्च अदालत की 9 जजों की खंडपीठ ने 6 जजों के बहुमत से राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पिछले 1 साल मैं जिन देशों के ऊपर टैरिफ लगाया गया था, उसको अवैध करार दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अधिकांश देशों पर टैरिफ लगाकर समझौते के लिए जो दबाव बनाया जा रहा था। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार राष्ट्रपति को इस तरह से टेरिफ लगाने का कोई अधिकार ही नहीं था। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप ने आपातकालीन अधिकारों का प्रयोग करके, सारी दुनिया के देशों को डरा-धमकाकर मनमाफिक तरीके से समझौते करना चाहते थे। इसमें कुछ हद तक डोनाल्ड ट्रंप सफल भी हो गए हैं। भारत जैसे बड़े राष्ट्र को उन्होंने अपने शिकंजे में कस लिया है।

भारत के साथ उन्होंने द्विपक्षी व्यापार मे टैरिफ को लेकर समझौता करने में सफल रहे हैं। इसी तरह का समझौता उन्होंने कई अन्य देशों के साथ भी पिछले कुछ महीनो में किए हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ का भय दिखाकर जो समझौते किए हैं। उस समझौते में कहीं ना कहीं ट्रंप का परिवार का फायदा शामिल है। जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के मित्र देशों और दुनिया के अन्य देशों में टैरिफ का भय दिखाकर अमेरिका के राष्ट्रीय हितों और अमेरिका की साख को एक बड़ा नुकसान पहुंचाने का काम किया है। इसके साथ ही टेरिफ के कारण अमेरिका की महंगाई बढी है, अमेरिका के व्यापारियों को बड़ा नुकसान हुआ है। टैरिफ के कारण सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिका को भोगना पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने। इसके बाद अमेरिकी कानून के अनुसार वह तीसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन सकते हैं। एक तरह से उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल का फायदा अपने परिवार को पहुंचाने के लिए, जो रणनीति अपनाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के निर्णय की समीक्षा कर उसे पूरी तरह से अवैध करार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है इस तरह के अधिकार केवल संसद को प्राप्त हैं। राष्ट्रपति को कुछ अधिकार आपातकालीन स्थितियों के लिए दिए गए थे। टेरिफ का निर्णय विषम परिस्थिति मे किसी एक या दो राष्ट्रों के साथ हो सकती थी।

जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने इस कानून के तहत आपातकालीन अधिकार का इस्तेमाल करके मनमाने तरीके से टेरिफ लगाए गए हैं। वह अधिकारों का दुरुपयोग है। अमेरिका के व्यापारी यह मुकदमा विभिन्न अदालतों में लड़ते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। सभी अदालत से ट्रंप को मुंह की खानी पड़ी थी। टैरिफ लगाए जाने के बाद अमेरिका में महंगाई बढ़ रही थी। अमेरिका के व्यापारियों के व्यापारिक हित प्रभावित हो रहे थे। ट्रंप का दावा था, टैरिफ लगाने से लगभग 600 अरब डॉलर का फायदा अमेरिका को हुआ है। इसका भार अमेरिका के नागारकों और अमेरिका के व्यापारियों पर पड़ा है। टेरिफ को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर दिखाना पूरी तरह गलत था। अब यह बात सामने आ गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए अपने परिवार के कारोबार को बढ़ाने के लिए अधिकारों का दुरुपयोग किया है। असल में अमेरिका मे इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनामिक पावर्स एक्ट लागू है । इसके तहत राष्ट्रपति को गंभीर खतरा और असाधारण अंतरराष्ट्रीय संकट की स्थिति में कुछ विशेष शक्तियां दी गई थी। इन शक्तियों के माध्यम से राष्ट्रपति तात्कालिक रूप से विदेशी लेनदेन पर रोक या प्रतिबंध लगा सकते थे। इस अधिकार का दुरूपयोग करते हुए ट्रम्प ने टैरिफ के माध्यम से दुनिया के सभी देशों को डरा धमकाकर मनमाने तरीके से समझौता करने का जो दवाब बनाया था। वह अमेरिकी हितों के लिए नहीं, वरन ट्रंप परिवार के लिए उपयोगी था। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ना तय हैं।

पिछले 1 वर्ष में इस तरह के आरोप ट्रम्प पर लग रहे हैं। वह अपने पारिवारिक और व्यापारिक हितों के लिए पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस फैसले के बाद निश्चित रूप से डोनाल्ड ट्रंप की मुसीबतें बढ़ने वाली हैं। भारत-पाकिस्तान बांग्लादेश एवं कुछ अन्य देशों के साथ जो समझौतेअमेरिका द्वारा किए गए हैं। वह भविष्य में भी मान्य रहेंगे। समझौता दोनों पक्षों की सहमति के रूप में देखा जा रहा है। जिन देशों ने अमेरिका के साथ समझौते नहीं किए हैं। उनके टैरिफ अपने आप रद्द हो जाएंगे। अमेरिका की सरकार को कंपनियों और व्यापारियों को टेरिफ के कारण जो राजस्व अमेरिकी सरकार द्वारा वसूला गया था। उसे वापस भी करना पड़ सकता है। एक तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दादागिरी करते हुए अपने निजी एवं पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए जो निर्णय ले रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अब उसे पर रोक लग गई है। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया अमेरिका सहित सारे विश्व के देशों में होना तय है। अब देखते हैं, सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद अमेरिका में इस मामले का पटाक्षेप किस रूप में दुनिया को देखने को मिलता है। भारत ने अमेरिका के साथ टैरिफ को लेकर जो समझौता किया है। वह भारत के लिए एक फंदा बन गया है। भारत इससे कैसे बाहर निकलेगा,इसका रास्ता भारत को ही निकलना होगा। भारत सरकार ट्रंप के सामने इतनी बेवस क्यों हैं? इसको लेकर भारत की राजनीति में भी इसका असर देखने को मिलने लगा है।

जहाँ हुए बलिदान मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है और सारा का सारा है

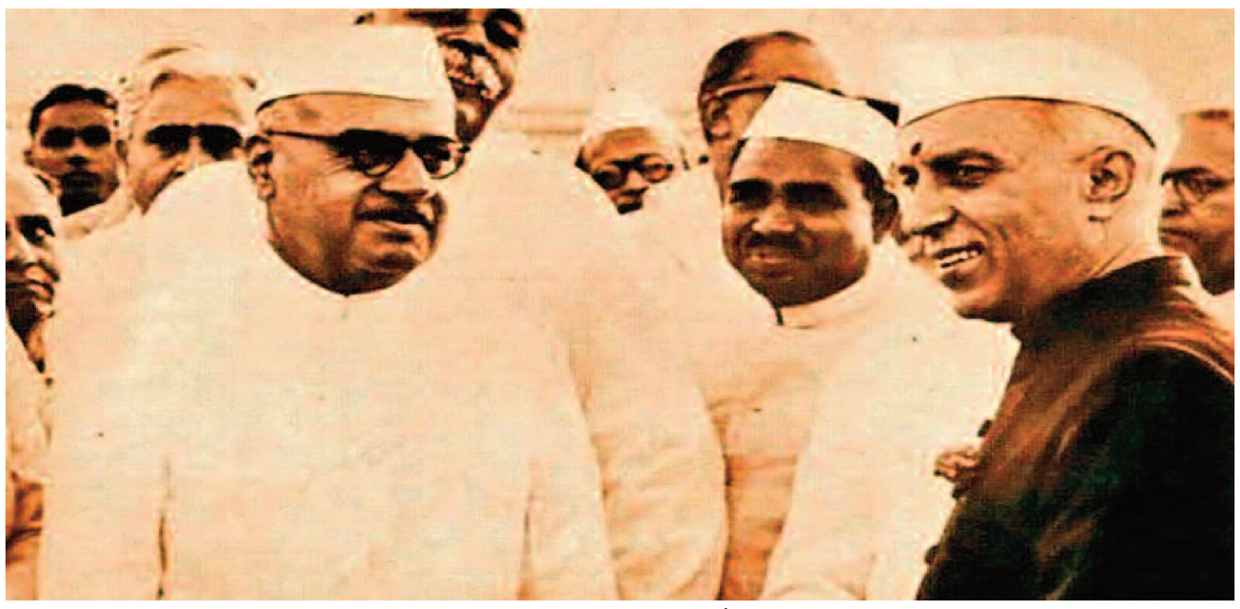

भारतीय संसद का ह्यकश्मीर संकल्प 22 फरवरी 1994ह्व शुभ है, सत्य है, स्तुत्य है, पर सिद्ध नहीं हो पाया है। यह दुखद है। दो निर्विवाद सत्य हैं - पहला - कश्मीर हमारे राष्ट्र का मुकुटमणि है, दूजा - हमारा यह मुकुटमणि वर्तमान में ग्रहण में है। कश्मीर की वर्तमान स्थिति को लेकर हमारा समूचा भारत राष्ट्र चिंतित रहा है। इस राष्ट्रीय चिंता का ही प्रकटीकरण था 22 फरवरी 1994 को पूर्व प्रधानमंत्री की नरसिंहराव सरकार द्वारा संसद में पारित ह्यकश्मीर संकल्पह्व। इस संकल्प में भारत का राजनीतिक पक्ष-विपक्ष, समस्त नागरिकों का मानस सम्मिलित था। यह संकल्प राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की चिंता, भावना व विचार से प्रेरित था। संसद में पारित इस प्रस्ताव में यह संकल्प किया गया था कि - ह्नपाकिस्तान के कब्जे वाला ढडखङ जम्मू कश्मीर और भारत का अभिन्न अंग था, है और सदैव रहेगा। पाकिस्तान ने 1947-48 के बाद से ही भारत के इस बड़े भूभाग पर कब्जा कर रखा है। इस प्रस्ताव के जरिये यह संकल्प लिया गया था कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे में लद्दाख और जम्मू कश्मीर की जो हमारी भूमि है उसे हम हर स्थिति में वापस लेंगे। यह संकल्प दिवस ढडखङ, ढडळ्छ के साथ उडळ्छ की मुक्ति का संकल्प दिवस भी है। वस्तुतः जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का कुल क्षेत्रफल लगभग 2,22,236 वर्ग किमी है। इसमें से ढडखङ यानि पाकिस्तान अधिक्रांत जम्मू कश्मीर का क्षेत्रफल 13,297 वर्ग किमी है। ढडखङ में जम्मू-कश्मीर क्षेत्र के मीरपुर-मुजफ्फराबाद, भीम्बर, कोटली जैसे नगर सम्मिलित हैं, जो कभी हिन्दू बहुल हुआ करते थे। जबकि ढडळ्छ अर्थात (पाकिस्तान अधिक्रांत क्षेत्र लद्दाख) में गिलगित और बाल्टिस्तान सम्मिलित हैं। यह क्षेत्र खनिज संपदा से लबालब है। ढडळ्छ का कुल क्षेत्रफल लगभग 64817 वर्ग किमी है।

ढङ्कखङ और ढडळ्छ मूल रूप से जम्मू कश्मीर का ही एक भाग है, जिसकी सीमाएं पाकिस्तान के पंजाब, उत्तर-पश्चिम, अफगानिस्तान के वखान गलियारे, चीन के शिनजियांग क्षेत्र और लद्दाख के पूर्व क्षेत्र से होकर गुजरती हैं। गिलगित-बाल्टिस्तान (ढडळ्छ) में 1480 सोने की खदानें हैं, जिनमें से 123 में अयस्क है, जहाँ सोने की मात्रा दक्षिण अफ्रीका की विश्व प्रसिद्ध खदानों से कई गुना अधिक है। चीन अधिक्रांत लद्दाख क्षेत्र अर्थात उडळ्छ का संभावित एरिया 37 हजार वर्ग किमी है और इसमें 5,180 किमी शक्सगाम का एरिया पाकिस्तान ने 1963 में ग्रल्लङ्क-ढं एग्रीमेंट के तहत दे दिया था। यानि चीन के कब्जे में कुल क्षेत्रफल 42,735 वर्ग किलोमीटर है। उडळ्छ में सिर्फ अक्साई चीन नहीं बल्कि ट्रांस काराकोरम ट्रैक्ट और मिंसर भी शामिल है। यहाँ से मुख्यतः कई नदियाँ निकलती हैं। जैसे गलवान नदी, चिपचैप नदी और कार्स जैसी आदि-आदि नदियाँ निकलती हैं। लेकिन इनमें कार्कस नदी सबसे बड़ी नदी है, जो कि उत्तर की ओर जाती है और इसे ब्लैक जेड रिवर कहते हैं। भारत का यह महत्वपूर्ण भाग आज चीन के नियंत्रण में है। वस्तुतः 1947 में देश के विभाजन के कुछ महीनों बाद ही पाकिस्तानी सेना ने 22 अक्टूबर 1947 को जम्मू-कश्मीर पर आक्रमण कर दिया था। इस आक्रमण में पाकिस्तानी सैनिकों ने हजारों की संख्या में निर्दोष हिंदूओं (प्रमुखतः सिक्ख समुदाय) का जघन्य नरसंहार किया था और प्राचीन मंदिरों, गुरुद्वारों आदि हिंदू स्थलों का विध्वंस किया था। बाद में इन हिंदुओं के अपमान के उद्देश्य से इन कब्जाए गए धार्मिक स्थलों का अपमानजनक प्रयोग भी किया गया था। इन घटनाओं के बाद बड़ी संख्या में हिंदू बंधु अपने कश्मीर से पलायन को विवश हो गये थे। विगत लगभग आठ दशकों से ढडखङ स्थित हमारे ऐतिहासिक मंदिरों, गुरुद्वारों और बौद्ध मठों को पाकिस्तानी आतताइयों ने चुन-चुन कर विध्वंस करने का काम किया है। ढङ्कखङ पर पाकिस्तान का 76 वर्षों से अवैध नियंत्रण है। आज समूचे भारत राष्ट्र सहित, ढङ्कखङ के विस्थापितों की यह मांग है कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे में जो हमारा कश्मीर है उसे वापस लिया जाए और ढङ्कखङ विस्थापितों को उनका अधिकार लौटाया जाए। पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी नरसिम्हा राव का कार्यकाल जम्मू-कश्मीर के लिए अनेक उतार-चढ़ाव वाला था। एक तरफ कश्मीर घाटी से हिन्दुओं का नरसंहार और निष्कासन लगातार जारी था। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान अधिक्रांत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में भारत के विरुद्ध आतंकवादियों का प्रशिक्षण भी हो रहा था। उस कालखंड में पाकिस्तान के दो तत्कालीन प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो (वर्ष 1990) एवं नवाज शरीफ (वर्ष 1991-93) ने ढडखङ में सतत आना जाना बढ़ा दिया था। लक्ष्य स्पष्ट था, इन क्षेत्रों में बसे मुट्ठी भर हिंदुओं का भी सफाया। बेनजीर भुट्टो ने 13 मार्च, 1990 में मुजफ्फराबाद की एक सभा में भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों का सार्वजनिक समर्थन किया। इसके बाद नवाज शरीफ ने भी पीओजेके से ह्यकश्मीर बनेगा पाकिस्तानह्व जैसे युद्धक नारे लगाने शुरू कर दिए। संघ परिवार इस विषय से अत्यंत चिंतित हुआ। संघ ने तत्काल ही देश भर में इस विषय में हस्तक्षेप करने का वातावरण बनाया था। केंद्र सरकार पर दबाव भी बनाया था। प्रधानमंत्री नरसिंहराव भी इस संदर्भ में संवेदनशील थे। नरसिंहराव जी के विचार इस संदर्भ में संघ से साम्य रखते थे। स्थिति को देखते हुए ही उन्होंने इस संदर्भ में पहला कदम 22 फरवरी, 1994 को उठाया। उस दिन संसद ने ढङ्कखङ पर एक संकल्प पारित किया था। संसद में सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव के संदर्भ में बलपूर्वक कहा गया कि पाकिस्तान को (अविभाजित) जम्मू-कश्मीर के कब्जे वाले इलाकों को खाली करना होगा जिसपर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है। लगभग एक वर्ष पश्चात केंद्र सरकार ने ढडखङ को लेकर दूसरा कदम उठाया था। वर्ष 1995 में पाकिस्तान अधिक्रांत जम्मू कश्मीर और उत्तरी इलाकों यानि ढडळ्छ (गिलगित-बल्तिस्तान) पर विदेश मंत्रालय की स्टैंडिंग कमेटी ने संसद में एक रिपोर्ट पेश की। भाजपा के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न दिवंगत श्री अटल बिहारी वाजपेयी इसकी अध्यक्षता कर रहे थे। इस सर्वदलीय कमेटी में लोकसभा और राज्यसभा से 45 सदस्यों को शामिल किया गया था, जिन्होंने दोहराया कि पूरा जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है। साथ ही इस समिति ने सुझाव दिया कि पीओजेके और गिलगित-बल्तिस्तान में मानवाधिकारों के हनन पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष स्वर उठाए जाने चाहिए। यह दोनों अभूतपूर्व कदम थे। वस्तुतः यह कदम वर्षों पूर्व ही उठा लिए जाने चाहिए थे।

भारत का भाग्य,भविष्य और भय के बीच खड़ा कृत्रिम बुद्धिमत्ता युग

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित एआई इम्पैक्ट सम्मेलन भारत के आधुनिक इतिहास में एक निर्णायक क्षण के रूप में दर्ज किया जाएगा।यह केवल एक अन्तराष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलन नहीं था,बल्कि एक सभ्यतागत घोषणा थी - कि भारत अब अपनी नियति कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति से गढ़ना चाहता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में यह आयोजन भारत की उस महत्त्वाकांक्षा का प्रतीक बना, जिसमें तकनीक विकास का साधन नहीं,बल्कि राष्ट्र-निर्माण का दर्शन बन रही है।प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन भाषण में जिस आत्म विश्वास से कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत का भाग्य और भविष्य है,वह कथन किसी राजनीतिक भाषण से अधिक एक रणनीतिक उद्घोष था।यह उस भारत की आवाज थी,जो औपनिवेशिक युग में औद्योगिक क्रांति से वंचित रहा, जिसने सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति में सेवा क्षेत्र तक स्वयं को सीमित रखा,और अब तीसरी बड़ी तकनीकी क्रांति—कृत्रिम बुद्धिमत्ता - में नेतृत्व की आकांक्षा रखता है।

मोदी सरकार के लिए एआई केवल तकनीकी उपकरण नहीं,बल्कि विकसित भारत 2047 के स्वप्न का मुख्य इंजन है।जिस प्रकार बीसवीं सदी में रेल,बिजली और सड़क राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला बने, उसी प्रकार इक्कीसवीं सदी में डेटा, एल्गोरिद्म और सुपरकंप्यूटिंग को राष्ट्रीय बुनियादी ढाँचे के रूप में देखा जा रहा है।प्रधानमंत्री ने एआई को ह्लडिजिटल स्वराजह्व का मार्ग बताया - एक ऐसा स्वराज जिसमें भारत तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निमार्ता और नियंता होगा।

अश्विनी वैष्णव का दृष्टिकोण इस स्वप्न को संस्थागत ढाँचा देने का प्रयास है।उन्होंने एआई को राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर की संज्ञा देते हुए कहा कि भारत को अपने स्वयं के फाउंडेशन मॉडल,राष्ट्रीय डेटा ग्रिड और सुपर-कंप्यूटिंग क्षमता विकसित करनी होगी।उनका मानना था कि एआई भारत के लिए वही भूमिका निभाएगा, जो बीसवीं सदी में रेलवे और बिजली ने निभाई—देश को जोड़ने और गति देने की भूमिका।

एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में कई रणनीतिक घोषणाएँ की गईं, जो भारत के तकनीकी भविष्य की दिशा निर्धारित करती हैं।सरकार ने राष्ट्रीय एआई कंप्यूट ग्रिड, स्वदेशी भाषा मॉडल,सरकारी सेवाओं में एआई के व्यापक उपयोग,स्वास्थ्य और शिक्षा में डिजिटल प्लेटफॉर्म, स्मार्ट शहरों और रक्षा प्रणालियों में एआई आधारित समाधान विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत को एआई अनुसंधान, स्टार्टअप और उद्योग का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए नीति,वित्त और अवसंरचना के समन्वित प्रयासों की घोषणा की गई।इस सम्मेलन की एक प्रमुख उपलब्धि विदेशी निवेश को आकर्षित करने की दिशा में थी। वैश्विक टेक कंपनियों, निवेश फंडों और बहुराष्ट्रीय निगमों ने भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश की रुचि दिखाई।डेटा सेंटर,क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, चिप डिजाइन और एआई स्टार्टअप में अरबों डॉलर के निवेश प्रस्तावों की चर्चा हुई।भारत को एआई निर्माण और अनुसंधान का वैश्विक हब बनाने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों की घोषणा की गई। यह संकेत है कि वैश्विक पूंजी भारत को अगली तकनीकी क्रांति का महत्वपूर्ण केंद्र मान रही है।

विदेशी निवेश के साथ रोजगार की संभावनाएँ भी इस सम्मेलन का केंद्रीय विषय रहीं।सरकार और उद्योग जगत का दावा है कि एआई भारत में लाखों नई नौकरियाँ पैदा करेगा - डेटा वैज्ञानिक, एआई इंजीनियर, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, चिप डिजाइनर, डिजिटल सेवा प्रदाता और तकनीकी प्रशिक्षक जैसे क्षेत्रों में। साथ ही, एआई आधारित स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और प्रशासनिक सेवाओं में नए प्रकार के रोजगार उत्पन्न होंगे। यह आशा व्यक्त की गई कि भारत की विशाल युवा जनसंख्या को एआई युग के लिए कौशल प्रदान कर वैश्विक कार्यबल का नेतृत्व करने के लिए तैयार किया जाएगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीक नहीं, बल्कि मानव चेतना, समाज और सभ्यता को पुनर्परिभाषित करने वाली शक्ति है। भारतीय दर्शन में बुद्धि को विवेक, धर्म और करुणा से जोड़ा गया है। मशीन बुद्धि में यह विवेक और करुणा कहाँ से आएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और आध्यात्मिक भी है। भारत, जो योग, दर्शन और मानव चेतना के अध्ययन की प्राचीन परंपरा रखता है, एआई युग में मानव और मशीन के संबंध पर वैश्विक विमर्श का नेतृत्व कर सकता है। एआई इम्पैक्ट 2026 इस द्वंद्व का प्रतीक था - एक ओर भारत का स्वप्न, दूसरी ओर भारत का भय। मोदी मिशन और वैष्णव विजन भारत को एआई महाशक्ति बनाने का संकल्प लेते हैं। विदेशी निवेश, तकनीकी साझेदारी और रोजगार की संभावनाएँ भारत के लिए ऐतिहासिक अवसर प्रस्तुत करती हैं। यदि भारत एआई उत्पादन, चिप निर्माण,डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर और अनुसंधान में आत्मनिर्भर बनता है, तो वह 21वीं सदी की वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रमुख स्तंभ बन सकता है।

परंतु यह यात्रा तभी सफल होगी, जब एआई को लोकतांत्रिक, समावेशी और मानव-केंद्रित बनाया जाएगा। तकनीक को पूंजी और सत्ता के केंद्रीकरण का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानव कल्याण का माध्यम बनाना होगा। रोजगार पुनर्गठन, शिक्षा सुधार, डिजिटल समावेशन और डेटा संरक्षण को एआई नीति के साथ एकीकृत करना होगा।एआई भारत का भाग्य और भविष्य बन सकता है, परंतु केवल तब,जब यह मानवता का विस्तार बने, उसका विकल्प नहीं। भारत के सामने अवसर भी है और चुनौती भी। एआई इम्पैक्ट 2026 ने भविष्य का द्वार खोल दिया है—अब यह भारत पर निर्भर है कि वह इस द्वार से होकर एक न्यायपूर्ण, समावेशी और विवेकपूर्ण तकनीकी सभ्यता की ओर बढ़ता है, या फिर एक ऐसी मशीन-प्रधान दुनिया की ओर, जहाँ मानव केवल उपभोक्ता बनकर रह जाए।भारत का भाग्य और भविष्य अब एल्गोरिद्म,डेटा और मशीनों की प्रयोगशालाओं में लिखा जा रहा है, परंतु उसकी आत्मा अभी भी मानव विवेक,करुणा और लोकतंत्र में बसती है। यही द्वंद्व एआई युग के भारत की सबसे बड़ी कहानी भी है जिम्मेदारी भी होगी जो अभी अतीत के गर्भ में छुपी है।

माता-पिता के परित्याग पर कठोर कानून- संवैधानिक संतुलन, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और भारत के लिए नीतिगत रोडमैप

बदलती भारतीय संस्कृति, प्रवासी संतानों की जिम्मेदारी और बुजुर्ग माता-पिता का संरक्षण-सशक्त पांच समकालीन कानूनों की आवश्यकता भारत में बुजुर्ग माता-पिता का परित्याग, उपेक्षा व अकेले छूटते जाना,यह केवल भावनात्मक प्रश्न नहीं,बल्कि सामाजिक न्याय,मानवाधिकार व केंद्र,राज्य के उत्तरदायित्व-व्यवस्था से जुड़ा विषय है वैश्विक स्तरपर भारत की सभ्यता की मूल आत्मा मातृदेवो भव,पितृदेवो भव के आदर्श में निहित रही है।भारतीय परिवार व्यवस्था केवल रक्त संबंधों का ढांचा नहीं,बल्कि नैतिक उत्तरदायित्व,त्याग, सह- अस्तित्व और पीढ़ियों के परस्पर सम्मान पर आधारित एक सामाजिक अनुबंध है। किंतु 21वीं सदी के तीव्र वैश्वीकरण, शहरीकरण और प्रवासन के युग में यह पारंपरिक ताना-बाना तेजी से बदल रहा है। छोटे शहरों और गांवों से निकलकर युवा मेट्रो सिटीज और विदेशों में बस रहे हैं।आर्थिक प्रगति, करियर अवसर और वैश्विक एक्सपोजर निश्चित रूप से सकारात्मक परिवर्तन हैं,परंतु इन उपलब्धियों की छाया में मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह महसूस कर रहा हूं कि एक गंभीर सामाजिक संकट भी उभर रहा है, भारत में अकेले छूटते जा रहे बुजुर्ग माता-पिता की उपेक्षा! यह केवल भावनात्मक प्रश्न नहीं,बल्कि सामाजिक न्याय,मानवाधिकार और राज्य की उत्तरदायित्व -व्यवस्था से जुड़ा विषय है।भारत से बाहर रहने वाले भारतीयों की संख्या लगभग साढ़े तीन करोड़ बताई जाती है। इनमें से बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है जिनके माता-पिता भारत में ही रहते हैं। प्रारंभिक वर्षों में प्रवासी संतानें आर्थिक सहायता और नियमित संपर्क बनाए रखती हैं,परंतु समय बीतने के साथ पारिवारिक लगाव का क्षरण होने लगता है।अनेक मामलों में बुजुर्ग माता-पिता आर्थिक,शारीरिक और भावनात्मक रूप से असुरक्षित स्थिति में रह जाते हैं। पिछले वर्ष ऐसे 500 से अधिक मामले सामने आए, जिनमें अकेले रह रहे माता- पिता की मृत्यु अत्यंत दुखद परिस्थितियों में हुई और संतान समय पर लौटकर भी नहीं आई। दिल्ली और इंदौर जैसे शहरों में सामने आई घटनाओं ने समाज को झकझोर दिया है।यह स्थिति केवल व्यक्तिगत नैतिक विफलता नहीं है; यह एक संरचनात्मक शून्य की ओर संकेत करती है। संयुक्त परिवार से एकल परिवार की ओर संक्रमण, बढ़ती जीवनशैली लागत,विदेशों में व्यावसायिक दबाव और सांस्कृतिकअनुकूलन के कारण संतानें अक्सर अपने मूल दायित्वों से दूर हो जाती हैं। परिणामस्वरूप, माता-पिता सामाजिक अलगाव, आर्थिक निर्भरता और मानसिक अवसाद का सामना करते हैं।हाल ही में राज्यसभा के बजट सत्र में राधा मोहन अग्रवाल साहब ने यह मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया जो तारीफ ए काबिल है,उन्होंने प्रस्ताव रखा कि जो प्रवासी भारतीय अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, उनके पासपोर्ट रद्द किए जाएँ। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विदेश जाने से पहले संतान से हलफनामा लिया जाए,जिसमें वे अपनी आय का एक निश्चित हिस्सा माता-पिता को देने, उनके लिए केयरटेकर और बीमा की व्यवस्था करने तथा सप्ताह में कम से कम एक बार संपर्क बनाए रखने का वचन दें। छह माह में सर्टिफिकेट ऑफ फुलफिल्ड ऑब्लिगेशन जमा कराने की व्यवस्था भी प्रस्तावित की गई, जिसके आधार पर यह प्रमाणित हो कि संतान अपनी जिम्मेदारियाँ निभा रही है।यह प्रस्ताव कठोर अवश्य है, परंतु इसके पीछे निहित भावनात्मक और नैतिक तर्क अत्यंत सशक्त है संतान की सफलता के पीछे माता-पिता का त्याग, तपस्या और कभी-कभी संपत्ति तक का बलिदान होता है। राज्य की सस्ती शिक्षा और स्वास्थ्य योजनाओं का भी योगदान रहता है। ऐसे में यदि संतान अपनी जड़ों को भूल जाए, तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अनुबंध का उल्लंघन है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान कानूनी ढांचा और उसकीसीमाएँ इसको समझने की करें तोभारत सरकार ने वर्ष 2007 में मेंटेनेंस एंड वेलफेयर ऑफ पेरेंट्स एंड सीनियर सिटीजन्स एक्ट,2007 (माता-पिता और वरिष्ठनागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007) लागू किया था। इस कानून का उद्देश्य संतानों पर माता-पिता के भरण-पोषण की कानूनी जिम्मेदारी निर्धारित करना था। अधिनियम के अंतर्गत माता- पिता ट्रिब्यूनल में आवेदन कर आर्थिक सहायता का आदेश प्राप्त कर सकते हैं।किन्तु व्यावहारिक स्तरपर यह कानून कई कारणों से दंतहीन सिद्ध हुआ है। प्रथम, शिकायत दर्ज कराने की पहल स्वयं बुजुर्गों को करनी होती है, जो सामाजिक संकोच, भावनात्मक दबाव या शारीरिक अक्षमता के कारण अक्सर संभव नहीं हो पाती। द्वितीय, प्रवासी संतानें विदेश में होने के कारण आदेशों के क्रियान्वयन में प्रशासनिक कठिनाइयाँ आती हैं। तृतीय, कानून मुख्यतःआर्थिक सहायता तक सीमित है;इसमेंभावनात्मक और देखभाल संबंधी दायित्वों का स्पष्ट प्रवर्तन तंत्र नहीं है। परिणामतः समस्या की गंभीरता के अनुरूप प्रभावी समाधान नहीं मिल पाता। इसीलिए ही जरूरत आन पड़ी है कि कुछ मेरे द्वारा सुझाए के पांच कानून को विधायक के रूप में संसद में पेश करो ने तुरंत पारित करने की प्रक्रिया की जाए यह सुझाव में इस आर्टिकल के माध्यम से नीति निर्धारकों, राज्यसभा लोकसभा सांसदों,प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति कार्यालयों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहा हूं।

तिरुपति लड्डू विवादः मिलावटी घी पर सरकार ने बना दी नई समिति, SIT रिपोर्ट की होगी समीक्षा

तिरुपति , एजेंसी। आंध्र प्रदेश सरकार ने तिरुपति लड्डू में इस्तेमाल होने वाले मिलावटी घी के मामले में एसआईटी की जांच रिपोर्ट की समीक्षा करने के लिए एक समिति बना दी है। आईएएस दिनेश कुमार इस समिति के अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं।

आंध्र प्रदेश सरकार ने तिरुपति लड्डू को बनाने में इस्तेमाल घी में कथित मिलावट की जांच करने के लिए गठित सीबीआई की अगुआई वाली एसआईटी द्वारा तैयार रिपोर्ट की समीक्षा करने के लिए शुक्रवार को सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दिनेश कुमार के नेतृत्व में एक सदस्यीय समिति गठित की जो दोषी लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की सिफारिश करेगी।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) नीत विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा जांच पूरी करने और आरोपपत्र दाखिल करने के बाद इस एक समिति का गठन किया गया है। एसआईटी ने 23 जनवरी को अदालत में अंतिम आरोप पत्र प्रस्तुत किया, साथ ही सारांश रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जिसमें लड्डू में घी के मुद्दे पर दोषी समिति सदस्यों और तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई शुरू करने की सिफारिश की गई थी।

मुख्य सचिव के. विजयानंद ने एक सरकारी आदेश में कहा, 'दिनेश कुमार को सारांश रिपोर्ट की समीक्षा करने और घी निविदा शर्तों में छूट और प्रवर्तन में चूक, कमियों और विफलताओं के लिए दोषी टीटीडी के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई शुरू करने की सिफारिश करने के लिए एक सदस्यीय समिति के रूप में नियुक्त किया गया है।'

विजयानंद ने कहा, 'समिति इस आदेश के जारी होने की तारीख से 45 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।' उन्होंने कहा कि यह सरकारी आदेश किसी भी अदालत के समक्ष लंबित कार्यवाही पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सितंबर 2024 में दावा किया था कि राज्य में वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार के दौरान तिरुपति लड्डू (पवित्र प्रसाद) तैयार करने में पशु वसा का इस्तेमाल किया जाता था, जिससे एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था।

वेंकटेश्वर स्वामी की तस्वीर पर विधान परिषद में हंगामाः आंध्र प्रदेश विधान परिषद के सभापति कोय्ये मोशन राजू ने शुक्रवार को सदन को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया। वाईएसआरसीपी सदस्यों द्वारा कथित तौर पर श्री वेंकटेश्वर स्वामी की तस्वीरें प्रदर्शित किये जाने को लेकर विपक्षी सदस्यों और सत्ता पक्ष के सदस्यों के बीच हुई तीखी नोकझोंक के बाद सभापति को कुछ समय के लिए सदन की कार्यवाही स्थगति करनी पड़ी।

कुम्बा रवि बाबू, डी. माधव राव और एस. मंगम्मा की ओर से तिरुपति लड्डू प्रसादम और इंदापुर डेयरी के मुद्दे पर चर्चा कराए जाने के अनुरोध को सभापति द्वारा खारिज किए जाने के बाद हंगामा शुरू हुआ।

यह इंदापुर डेयरी कथित रूप से मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के परिवार के स्वामित्व वाली कंपनी हेरिटेज फूड्स से जुड़ी बताई गई है, जो तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को घी की आपूर्ति करती है। विपक्षी विधायकों के विरोध प्रदर्शन के बीच राजू ने कहा, अनुरोध को खारिज किये जाने के बाद चर्चा की मांग करना उचित नहीं है।

72 घंटे के अंदर पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा किया

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली के रोहिणी में पेट्रोल पंप के पास 16 फरवरी को हुई घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। रोहिणी जिले के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव रंजन ने मामले का खुलासा करते हुए बड़ी जानकारी दी है। बता दें कि बीते सोमवार को शाम 6~56 बजे बेगमपुर पुलिस स्टेशन को सेक्टर 23, रोहिणी में पेट्रोल पंप के पास जमीन पर सीने में चाकू के घावों से घायल एक व्यक्ति के बेहोश पड़े होने की सूचना मिली थी। जानकारी मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और घायल व्यक्ति को एसजीएम अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान अमरनाथ यादव के रूप में हुई थी।

चिप बाजार में चमकेगा गौतमबुद्ध नगर, उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट किस जगह

गौतमबुद्ध नगर, एजेंसी। सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में वर्ष 2026 ऐतिहासिक साल साबित होने जा रहा है। केंद्र सरकार दस परियोजनाओं को मंजूरी दे चुकी है, जिनमें से कई पर काम तेजी से चल रहा है। कुछ संयंत्रों में इस वर्ष चिप निर्माण शुरू होने की उम्मीद है। गौतमबुद्ध नगर सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में ऊंची उड़ान भरने को तैयार है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत गौतमबुद्ध नगर की यमुना सिटी में उत्तर भारत के पहले सेमीकंडक्टर संयंत्र की नींव रखी जा रही है।

यीडा क्षेत्र में लगने जा रही उत्तर भारत की पहली यूनिट : आत्मनिर्भर भारत के तहत यमुना सिटी (यीडा क्षेत्र) में शनिवार दोपहर करीब तीन बजे उत्तर भारत के पहले सेमीकंडक्टर संयंत्र की नींव रखी जाएगी। यह परियोजना रोजगार, निवेश और अत्याधुनिक तकनीक के नए आयाम खोलेगी। यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-28 में उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद उत्तर भारत की पहली इकाई स्थापित होने जा रही है।

छठी सेमीकंडक्टर यूनिट के रूप में मंजूरी : एचसीएल और फॉक्सकोन के संयुक्त उपक्रम मैसर्स इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड को मई 2025 में देश की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट के रूप में मंजूरी दी गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले 18 जनवरी को कंपनी को 48 एकड़ भूमि का आवंटन पत्र सौंपा था।

3706.15 करोड़ का निवेश : कंपनी क्षेत्र में 3706.15 करोड़ का निवेश करेगी और 2,40,000 यूनिट स्मॉल पैनल ड्राइवर आईसी, डिस्प्ले इंटीग्रेटेड सर्किट का निर्माण करेगी। इसके लिए रोजाना 19 हजार केवीए बिजली की जरूरत पड़ेगी और करीब 2000 एमएलडी पानी रोजाना इस्तेमाल होगा।

डीडीआईसी और ओसैट सुविधा से लैस पहली यूनिट : यमुना सिटी में भारत की पहली डिस्प्ले ड्राइवर इंटीग्रेटेड सर्किट (डीडीआईसी) और ओसैट (आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्टिंग) सुविधा से लैस सेमीकंडटर यूनिट लगने जा रही है। डीडीआईसी एक खास प्रकार की चिप होती है जो मोबाइल, टीवी या कंप्यूटर की स्क्रीन को चलाने का काम करती है। यानी स्क्रीन पर तस्वीरें और वीडियो दिखाई देते हैं, उन्हें सही तरीके से दिखाने में यह चिप मदद करती है।

यमुना सिटी में ही होगी चिप की पैकेजिंग : वहीं, ओसैट का मतलब है चिप को जोड़ना, टेस्टिंग और उन्हें उपयोग के लिए तैयार करना। ऐसे में इस सुविधा से यमुना सिटी में ही चिप की उन्नत पैकेजिंग, संयोजन और परीक्षण किया जाएगा।

अनुसंधान और कौशल विकास को बढ़ावा : परियोजना के तहत उत्कृष्टता केंद्र, उन्नत अनुसंधान केंद्र और अत्याधुनिक सिमुलेशन प्रयोगशालाओं की स्थापना की जाएगी, जो सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार को गति देगी। इन संस्थानों में चिप डिजाइन, पैकेजिंग तकनीक, परीक्षण मानक और विश्वसनीयता विश्लेषण पर विशेष कार्य होगा। स्थानीय विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों के सहयोग से छात्रों और युवाओं को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बिट्टू बजरंगी शादी करने बारात लेकर अलीगढ़ पहुंचा

बिना दुल्हन खाली हाथ लौटना पड़ा

अलीगढ़ , एजेंसी। गौ रक्षक और नूंह हिंसा के आरोपी बिट्टू बजरंगी से शादी के नाम पर ठगी करने का मामला सामने आया है। बजरंगी ने अपने पड़ोसी के रिश्तेदार से कहा कि वह शादी करना चाहता है। अगर उसकी पहचान में कोई रिश्ता है तो वह उसे बताए। उस आदमी ने बिट्टू बजरंगी के साथ गेम खेल दिया।

गौ रक्षक और नूंह हिंसा के आरोपी बिट्टू बजरंगी से शादी के नाम पर ठगी करने का मामला सामने आया है।

बजरंगी ने अपने पड़ोसी के रिश्तेदार से कहा कि वह शादी करना चाहता है। अगर उसकी पहचान में कोई रिश्ता है तो वह उसे बताए। उस आदमी ने बिट्टू बजरंगी के साथ गेम खेल दिया।

गौ रक्षक बिट्टू बजरंगी से शादी के नाम पर एक आदमी ने कथित तौर पर 30 हजार रुपए की ठगी क ली। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बजरंगी की शिकायत के आधार पर आरोपी और उसके साथियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। बजरंगी 2023 के नूंह सांप्रदायिक दंगों का आरोपी है।

शिकायत के अनुसार, बजरंगी ने अपने पड़ोसी के रिश्तेदार आरोपी बंटी से कहा कि वह शादी करना चाहता है। अगर उसकी पहचान में कोई उपयुक्त रिश्ता है तो वह उसे बताए। शिकायत में कहा गया है कि बंटी ने बजरंगी को रानी नाम की एक महिला से मिलवाया।

द्यइसके बाद बंटी और रानी ने बजरंगी को तीन बार अलीगढ़ में संभावित रिश्ते के सिलसिले में बुलाया, लेकिन उसे उनमें से कोई भी पसंद नहीं आया।

इसके बाद बंटी ने बजरंगी को एक युवती की तस्वीर भेजी जो उसे पसंद थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पांच सितंबर 2025 को बंटी और रानी उस युवती और उसके परिवार के साथ बजरंगी के घर आए। इस दौरान सात फरवरी को शादी तय की गई।

वादे के मुताबिक, बजरंगी ने होने वाली दुल्हन के लिए कपड़े आदि खरीदने के लिए छह फरवरी को आरोपियों को 30000 रुपए ट्रांसफर किए। शिकायत में कहा गया है कि जब वह बारात के साथ अलीगढ़ पहुंचा तो आरोपी वहां नहीं मिले और उन्होंने अपने मोबाइल फोन बंद कर रखे थे।

बजरंगी ने शिकायत में कहा है कि जब उसने दुल्हन को फोन किया तो उसने बताया कि शादी के बारे में उसे कुछ पता नहीं है और वह वहां से खाली हाथ लौट आया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बजरंगी और आरोपी व्यक्तियों के बीच हुए समझौते के तहत उसे शादी की व्यवस्था के लिए उन्हें 1.20 लाख रुपए का भुगतान करना था।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर बंटी, रानी और अन्य के खिलाफ सारण पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है। बजरंगी के एक पड़ोसी ने बताया कि उनके घर में नई दुल्हन के स्वागत की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन अंत में सब कुछ बिगड़ गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में चूकः बंगाल के दोषी अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

कोलकाता , एजेंसी। केंद्रीय निर्वाचन आयोग बंगाल में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) प्रक्रिया के तहत बड़ी संख्या में मतदाताओं के दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने में विफल रहने के लिए संबंधित मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) को कारण बताओ नोटिस जारी करेगा।

आयोग ने मांगा जवाब

एक अधिकारी के अनुसार, सुनवाई समाप्त होने के चार दिन बाद भी लगभग एक लाख पंद्रह हजार दस्तावेज अभी तक अपलोड नहीं किए गए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के सूत्रों ने दावा किया है कि 120 ईआरओ और 150 एईआरओ को दोषी पाया गया है।

आयोग ने सभी ईआरओ और एईआरओ को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि यदि कोई आवेदन अस्वीकृत किया जाता है, तो उसका विशिष्ट कारण स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए।

हालांकि, आरोप सामने आए हैं कि कई मामलों में इस नियम का उल्लंघन किया गया है।

बता दें कि इससे पहले आयोग ने दो ईआरओ, नौ एईआरओ, एक डाटा-एंट्री आपरेटर और तीन माइक्रो-आब्जर्वर के खिलाफ कार्रवाई की थी।

28 फरवरी को ही जारी होगी अंतिम मतदाता सूची : सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश के बाद बंगाल में 28 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित करने की तैयारी तेज हो गई है।

निर्धारित समयसीमा को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल से फोन पर बात कर स्थिति की जानकारी ली। सूत्रों के अनुसार सीईओ ने उन्हें आश्वस्त किया है कि 28 फरवरी को ही अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी।

जिन मतदाताओं के नाम में कोई गड़बड़ी हैं, उनके लिए बाद में एक अतिरिक्त सूची प्रकाशित की जा सकती है।

गुरुग्राम से फरीदाबाद तक चला पीला पंजा, कई और अवैध कॉलोनियां हुई ध्वस्त

गुरुग्राम, एजेंसी। दिल्ली से सटे एनसीआर के दो शहरों गुरुग्राम और फरीदाबाद में एक बार फिर बुलडोजर वाला ऐक्शन देखने को मिला। गुरुग्राम में नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने शुक्रवार को गुरुग्राम-सोहना हाईवे स्थित गांव भोंडसी में अवैध रूप से पनप रही कॉलोनी में बुलडोजर चलाया। ये कॉलोनी करीब तीन एकड़ जमीन पर विकसित हो रही थी। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के चलते किसी तरह का विरोध सामने नहीं आया। डीटीपीई अमित मधोलिया के निर्देश पर दोपहर को तोड़फोड़ दस्ता इस गांव में पहुंच गया। बुलडोजर के पहुंचने के बाद हड़कंप मच गया। तोड़फोड़ दस्ते ने मौके पर कार्यरत मजदूरों को भगा दिया। इसके बाद बुलडोजर की कार्रवाई शुरू हो गई। 28 मकानों के निर्माण के लिए डीपीसी और चारदीवारी कर दी गई थी।

एक मकान का निर्माण किया जा रहा था। बुलडोजर ने सभी को मलबे में मिला दिया। इसके साथ प्लॉट बेचने के लिए एक सड़क का निर्माण किया था। इसे उखाड़ा गया।

विकसित हो रही अवैध कॉलोनी ढहाई : फरीदाबाद में भी डीटीपी इंफोर्समेंट की ओर से गांव झाड़सैंतली में अवैध रूप से बस रही कॉलोनी के खिलाफ तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। इस दौरान तोड़फोड़ दस्ते ने 10 एकड़ में बसी कॉलोनी में भारी तोड़फोड़ की। मौके पर लोगों ने कार्रवाई का विरोध जताया, लेकिन पुलिस ने उन्हें समझा-बुझा कर शांत कर दिया। डीटीपी इंफोर्समेंट अधिकारी यजन चौधरी को काफी दिनों से गांव झाडसैंतली के राजस्व क्षेत्र में बिना किसी अनुमति के करीब 10 एकड़ जमीन पर अवैध कॉलोनी विकसित करने की सूचना मिल रही थी। सूचना के आधार पर विभाग की ओर से लोगों को नोटिस जारी कर अवैध कब्जे खाली करने के आदेश दिए गए। लेकिन लोगों ने नोटिस को अनदेखा कर दिया। इसके बाद विभाग की टीम शुक्रवार को भारी पुलिस बल और तोड़फोड़ दस्ते के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने40 से अधिक प्लॉटों के लिए बनाई गई नींव के शुरुआती ढांचों को तोड़ दिया गया। चार रूप से घेरे गए भूखंडों की बाउंड्री वॉल को गिरा दिया गया। इसे अलावा एक निर्माणाधीन ढांचा और दो पहले से तैयार अवैध स्ट्रक्चर को धराशायी कर दिया गया।

सड़क पर अवैध गेट लगाने पर नोटिस : फरीदाबाद शहर की 60 और 100 फीट चौड़ी मुख्य सड़कों पर लगाए गए अवैध गेट और दीवारों के खिलाफ डीटीपी इंफोर्समेंट विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। शुक्रवार को टीम ने लगाए गए अवरोध को लेकर एक कॉलोनी में नोटिस भी चस्पा किए। कार्रवाई डीटीपी इंफोर्समेंट अधिकारी यजन चौधरी के निर्देश पर की गई। डीटीपी इंफोर्समेंट अधिकारी यजन चौधरी ने बताया कि सार्वजनिक सड़कों पर किसी भी प्रकार का स्थायी अवरोध नियमों का उल्लंघन है और इसे अवैध अतिक्रमण माना जाता है।

जंग के मैदान में तब्दील हुई पहाड़ियां, छत्तीसगढ़ में दो हजार जवानों ने घेरा माओवादियों का सुरक्षित ठिकाना

जगदलपुर , एजेंसी। माओवादी हिंसा के समूल खात्मे की 31 मार्च 2026 की समय-सीमा से पहले सुरक्षाबल ने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर स्थित कर्रेगुट्टा पहाड़ी में निर्णायक अभियान शुरू किया है। छत्तीसगढ़ के सुकमा, दंतेवाड़ा व बीजापुर जिलों से आए करीब दो हजार जवानों ने पहाड़ी को पूरी तरह से घेर लिया है। सुरक्षा एजेंसियों का लक्ष्य माओवादियों के शेष नेटवर्क व उनके अंतिम सुरक्षित ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त करना है। खुफिया एजेंसियों के इनपुट के आधार पर कर्रेगुट्टा क्षेत्र में केशा, पापाराव जैसे 100 से अधिक माओवादी हिंसकों की मौजूदगी की बात सामने आई है। इसी आधार पर पहाड़ी की रणनीतिक घेराबंदी कर सर्च और कांबिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है। ड्रोन सर्विलांस, आधुनिक संचार उपकरण व रियल-टाइम मॉनिटरिंग के जरिये हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। कर्रेगुट्टा पहाड़ी के नीचे पहले से स्थापित स्थायी सुरक्षा कैंप के चलते रसद, चिकित्सा और त्वरित सहायता व्यवस्था इस बार अधिक मजबूत बताई जा रही है। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में इसी क्षेत्र में सुरक्षाबल की बड़ी कार्रवाई में 31 माओवादी मारे गए थे व भारी मात्रा में हथियार व विस्फोटक बरामद किए गए थे। सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि मौजूदा अभियान माओवादियों की शेष ताकत को निर्णायक रूप से तोड़ सकता है। गृह मंत्री शाह ने दिए थे सख्त कार्रवाई के संकेतहाल ही में बस्तर दौरे पर आए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सक्रिय माओवादी नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई के संकेत दिए थे। इसके बाद से ही राज्य के सीमावर्ती पहाड़ियों और जंगलों में अभियान तेज किए गए हैं। बस्तर के आइजी सुंदरराज पी. ने माओवादियों से हिंसा का रास्ता त्यागकर मुख्यधारा में लौटने की अपील की है।

मेरठ जाने वाले सावधान! बंद रहेगा ट्रैफिक, वीवीआईपी मूवमेंट से कई मार्गों में बदलाव

मेरठ, एजेंसी। मेरठ में 22 फरवरी को मोदीपुरम तक नमो भारत के उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए वाहनों का मार्ग परिवर्तित रहेगा। डीसीपी यातायात त्रिगुण बिसेन ने बताया कि 22 फरवरी को मेरठ में विशिष्ट लोगों के प्रस्तावित भ्रमण कार्य क्रम के मद्देनजर व्यापक सुरक्षा और यातायात व्यवस्था लागू की गई है। पड़ोसी जिले की पुलिस से समन्वय स्थापित कर ट्रैफिक संचालन सुचारु रखने के लिए गाजियाबाद पुलिस ने मार्ग परिवर्तन योजना जारी की है। इसके तहत 22 फरवरी को सुबह छह बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक गाजियाबाद से मेरठ की ओर जाने वाले विभिन्न प्रमुख मार्गों पर वाहन नहीं जा सकेंगे। भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जाएगा, जबकि हल्के वाहनों के लिए भी चरणबद्ध तरीके से मार्ग परिवर्तन लागू किया जाएगा। डीसीपी यातायात ने बताया कि आवश्यकता पड़ने पर मार्ग परिवर्तन योजना में बदलाव किया जा सकता है। आमजन से अपील है कि वह असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें।

कर्नाटक में मेडिकल छात्र की शर्मनाक करतूत, नकल करते हुए पकड़े जाने पर शिक्षक पर बरसाए घूंस

कलबुर्गी , एजेंसी। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले से अनुशासनहीनता का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के डॉ. मलाकरेड्डी होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में आंतरिक परीक्षा के दौरान एक छात्र ने पकड़े जाने पर सहायक प्रोफेसर पर हिंसक हमला कर दिया। होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका विषय की परीक्षा के दौरान घटी यह घटना हॉल के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, कॉलेज में होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका विषय की परीक्षा चल रही थी। परीक्षा हॉल में निरीक्षक की ड्यूटी कर रहे सहायक प्रोफेसर शिवराजकुमार ने शाहबाज नाम के एक छात्र को मोबाइल फोन के जरिए नकल करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। इस हरकत से भड़के शाहबाज ने हिंसक होकर प्रोफेसर पर हमला कर दिया। हालांकि अन्य छात्रों ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए शाहबाज को रोकने और उसे दूर खींचने की कोशिश की, लेकिन टकराव यहीं खत्म नहीं हुआ। वीडियो में शाहबाज को हॉल के निकास द्वार की ओर जाते हुए दिखाया गया है, लेकिन कुछ ही सेकंड बाद वह वापस आकर प्रोफेसर पर फिर से हमला कर देता है। हमले के बाद, कॉलेज प्रशासन ने शाहबाज के माता-पिता को सूचित किया और उसे भविष्य की सभी परीक्षाओं से प्रतिबंधित करने का तत्काल निर्णय लिया। सीसीटीवी फुटेज से मिले स्पष्ट सबूतों के बावजूद, सहायक प्रोफेसर शिवराजकुमार ने अभी तक कोई पुलिस शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

बंगाल के आसनसोल में खूनी तांडव, कलयुगी बेटे ने मां को गोली मारकर घर फूंका

कोलकाता ,एजेंसी। आसनसोल दिल्ली बंगाल के पश्चिम बर्द्धमान जिले के आसनसोल में गुरुवार देर रात एक कलियुगी बेटे ने पहले अपनी मां की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर घर में आग लगाने के बाद खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान 68 वर्षीय संध्या मुखोपाध्याय और उनके 49 वर्षीय बेटे राजा मुखोपाध्याय के रूप में हुई है। घटना को लेकर अप्राकृतिक मौत के दो मामले दर्ज किए गए हैं। आसपास के लोगों ने बताया कि बेटे ने एक दिन पहले अपने पिता दयामय मुखोपाध्याय से भी मारपीट की थी, जिससे आहत होकर वह अपनी बेटी के घर चले गए थे। इस कारण उनकी जान बच गई। घटना की सूचना मिलने के बाद वह शुक्रवार सुबह घर पहुंचे। स्थानीय लोगों के अनुसार, गुरुवार रात उन्होंने घर से गोली चलने की दो आवाजें सुनीं और फिर आग की लपटें देखीं। सूचना पाकर कुल्टी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल की मदद से आग पर काबू पाया। आग बुझाने के बाद घर के अंदर से मां और बेटे को झुलसी हुई हालत में बरामद किया गया। देर रात पुलिस दोनों को अस्पताल लेकर गई, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

एडम जम्पा ने चार विकेट लेकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

● पाकिस्तानी खिलाड़ी सईद अजमल को छोड़ा पीछे; क्रिस गेल का रिकॉर्ड भी तोड़ा

नई दिल्ली। एडम जम्पा ने ओमान के खिलाफ 4 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। एडम जम्पा ने इन 4 विकेट की मदद से कई शानदार रिकॉर्ड्स भी अपने नाम किया

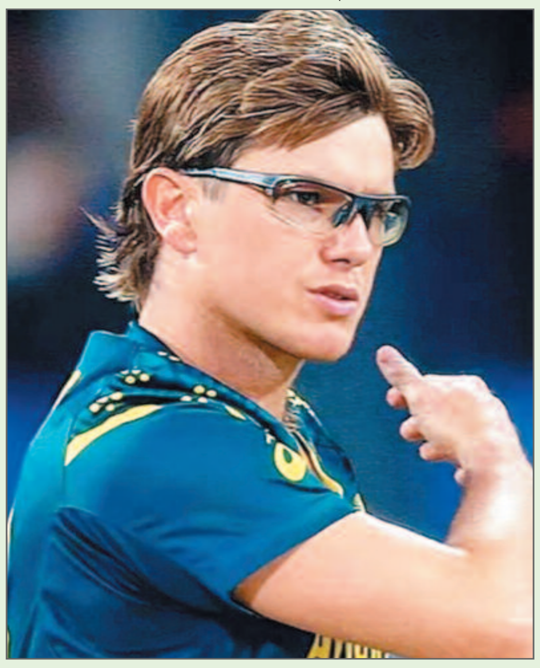

और कई दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ने में सफलता हासिल की। ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जम्पा ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपनी टीम के लिए आखिरी लीग मैच में ओमान के खिलाफ गजब का प्रदर्शन किया और 4 विकेट लेकर एक बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज करा दिया। यही नहीं जम्पा ने ओमान के खिलाफ 4 विकेट लिए और वो अब टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर आ गए। जम्पा ने 4 विकेट लेकर राशिद खान का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

जम्पा ने सईद अजमल समेत 4 खिलाड़ियों का रिकॉर्ड तोड़ा

एडम जम्पा ने ओमान के खिलाफ 3.2 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट लिए। जम्पा की इस घातक गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने ओमान को 16.2 ओवर में 104 रन पर समेट दिया। ओमान के खिलाफ 4 विकेट लेने के बाद जम्पा अब टी20 वर्ल्ड कप में किसी एक मैच में सबसे ज्यादा बार 4 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए। जम्पा ने टी20 वर्ल्ड कप में एक मैच में 4 विकेट लेने का कमाल चौथी बार किया और वो सईद अजमल, शाकिब अल हसन, राशिद खान और एनरिच नॉर्खिया से आगे निकल गए थे जिन्होंने 3-3 बार ऐसा किया था।

T20 WC में सबसे ज्यादा 4 विकेट लेने वाले गेंदबाज

- 4 - एडम जम्पा ● 3 - शाकिब अल हसन
- 3 - सईद अजमल ● 3 - राशिद खान
- 3 - एनरिच नॉर्खिया

राशिद खान का जम्पा ने तोड़ा रिकॉर्ड

एडम जम्पा ने ओमान के खिलाफ 4 विकेट लिए और वो अब टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए। एडम जम्पा ने टी20 वर्ल्ड कप में अब तक कुल 44 विकेट लिए हैं जबकि राशिद खान ने कुल 43 विकेट लिए थे। इस लिस्ट में 50 विकेट के साथ शाकिब अल हसन पहले स्थान पर मौजूद हैं।

सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

● 50 विकेट - शाकिब अल हसन ● 44 विकेट - एडम जम्पा ● 43 विकेट - राशिद खान ● 40 विकेट - वानिंदु हसरंगा ● 39 विकेट - शाहिद अफरीदी

जम्पा ने तोड़ा 3 दिग्गजों का रिकॉर्ड

जम्पा ने ओमान के खिलाफ 4 विकेट लिए और कंगारू टीम को इस मैच में 9 विकेट से जीत मिली। जम्पा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और वो टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच बनने वाले दूसरे खिलाड़ी बने। जम्पा ने 5वीं बार ये खिताब जीता और उन्होंने क्रिस गेल, महेला जयवर्धने, शेन वॉटसन का रिकॉर्ड तोड़ा दिया जिन्होंने 5-5 बार ये खिताब जीते थे।

सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच

- 8 - विराट कोहली ● 6 - एडम जम्पा
- 5 - क्रिस गेल ● 5 - महेला जयवर्धने
- 5 - शेन वॉटसन

ऑस्ट्रेलिया का वर्ल्ड कप में सफर खत्म

ओमान 9 विकेट से हारा; मार्श ने लगाया तूफानी अर्धशतक, जम्पा ने लिए 4 विकेट

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अपने आखिरी लीग मैच में ओमान को कप्तान मिचेल मार्श की नाबाद अर्धशतकीय पारी और एडम जम्पा के 4 विकेट की मदद से 9 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया का टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सफर खत्म हो गया। हालांकि ऑस्ट्रेलिया इस मुकाबले से पहले ही सेमीफाइनल की होड़ से बाहर हो चुका था।

इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था और फिर ओमान की टीम पहली पारी में पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई। ओमान ने 16.2 ओवर में 104 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 105 रन का लक्ष्य मिला था जिसे इस टीम ने 9.4 ओवर में एक विकेट पर 108 रन बनाकर हासिल कर लिया और मैच जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने इस सीजन में अपने 4 लीग मैचों में से 2 मैच जीते और 2 में उसे हार मिली। 4 अंक के साथ कंगारू टीम ग्रुप बी में तीसरे स्थान पर रही और उनका सफर इस जीत के साथ ही समाप्त हो गया। ओमान के खिलाफ 4 विकेट लेने वाले एडम जम्पा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मिचेल मार्श ने खेली नाबाद 64 रन की पारी– ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 105 रन का आसान टारगेट मिला था और टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने इस टीम के खिलाफ बेहद तेज पारी खेली। मार्श ने 33 गेंदों पर नाबाद 64 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 4 छक्के और 7 चौके भी लगाए। मार्श ने 193.94 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए और पहले विकेट के लिए ट्रेविस हेड के साथ मिलकर 49 गेंदों पर 93 रन की साझेदारी की। हेड ने 19 गेंदों पर 32 रन बनाए जबकि जोश इंग्लिश 6 गेंदों पर 12 रन बनाकर नाबाद रहे।

एडम जम्पा ने झटके 4 विकेट– एडम जम्पा ने कंगारू टीम के खिलाफ काफी अच्छी गेंदबाजी की और 3.2 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट भी लिए। जम्पा के अलावा कंगारू टीम के लिए ग्लेन मैक्सवेल ने 3 ओवर में 13 रन देकर 2 विकेट लिए जबकि जेवियर बार्टलेट को भी 2 सफलता मिली। इनके अलावा मार्कस स्टोइनिस और नाथन एलिस को एक-एक सफलता मिली। ओमान के लिए वसीम अली ने सबसे बड़ी 32 रन की पारी खेली।

● 20 विश्व कप सुपर-8: पाकिस्तान और न्यूजीलैंड मैच पर 'कुदरत के निजाम का कहर'

भारी बारिश का है खतरा

कोलंबो । टी20 विश्व कप 2026 में सुपर-8 मैचों की शुरुआत शनिवार से हो रही है। पहला मुकाबला पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच आर. प्रेमदासा स्टेडियम, कोलंबो में खेला जाना है। दोनों टीमों की कोशिश इस मुकाबले को जीतकर टूर्नामेंट के दूसरे चरण की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में करने की होगी। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की इस उम्मीद पर बारिश का खतरा है। कोलंबो में लगातार बारिश हो रही है। बारिश की वजह से पाकिस्तान टीम को अभ्यास का मौका भी नहीं मिला है। पाकिस्तान बिना अभ्यास के न्यूजीलैंड का सामना करने को तैयार है, लेकिन बारिश मैच के दौरान भी खलल डाल सकती है। पाकिस्तान के कोच रहते हुए कभी सकलेन मुश्ताक ने प्राकृतिक घटनाओं के लिए कुदरत के निजाम की बात कही थी। पाकिस्तान-न्यूजीलैंड मैच में इसी निजाम का कहर दिख सकता है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, शनिवार को कोलंबो में 75 प्रतिशत बारिश की संभावना है। 18 प्रतिशत गरज के साथ बारिश की संभावना भी है। 6.7 मिमी बारिश हो सकती है। मैच शाम 7 बजे शुरू होना है। उस समय तक गरज के साथ बारिश की संभावना 41 प्रतिशत तक बढ़ सकती है और डेढ़ घंटे तक बारिश हो सकती है। बारिश की वजह से पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला मैच धुलने का खतरा है।

बारिश की वजह से मैच रद्द होने की स्थिति में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड दोनों को 1-1 अंक तो मिल जाएंगे, लेकिन सेमीफाइनल में दोनों टीमों के लिए जगह बनाना मुश्किल हो जाएगा।

न्यूजीलैंड और पाकिस्तान दोनों ग्रुप स्टेज में 4 में से 3-3 मैच जीतकर सुपर-8 में पहुंची हैं। न्यूजीलैंड का रन रेट पाकिस्तान से बेहतर है।

भारत और पाकिस्तान के बीच कोलंबो में खेले गए मैच पर भी बारिश का खतरा था, लेकिन बारिश नहीं हुई थी। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टीम भी यही चाहेगी कि किसी तरह मैच के दौरान बारिश की बाधा न आए। दोनों टीमों के बीच मुकाबले हमेशा रोमांचक होते रहे हैं। दोनों टीमों के बीच 49 टी20 मुकाबले खेले गए हैं। 23 मैचों में न्यूजीलैंड जीता है, जबकि पाकिस्तान को 24 मैचों में जीत मिली है।

ग्रुप स्टेज में इन चार छोटी टीमों का प्रदर्शन रहा दमदार, जिम्बाब्वे ने किया सबसे ज्यादा प्रभावित

नई दिल्ली । टी20 विश्व कप 2026 का ग्रुप स्टेज अपने अंतिम पड़ाव पर है। ग्रुप स्टेज में कई बड़े उलटफेर देखने को मिले। जिम्बाब्वे ने अपने प्रदर्शन से हर किसी को खासा प्रभावित करते हुए सुपर 8 में अपनी जगह बनाई। वहीं, अपने पहले ही विश्व कप में इटली की टीम भी छाप छोड़ने में सफल रही। अफगानिस्तान और अमेरिका ने भी अपने दमदार खेल के बूते फैंस का दिल जीता। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जा रहे टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने ग्रुप स्टेज में ही दो बड़े उलटफेर किए। सिकंदर रजा की कप्तानी में जिम्बाब्वे ने आईसीसी टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीम मानी जाने वाली ऑस्ट्रेलिया को 23 रनों से शिकस्त दी। ये विश्व कप 2026 का पहला बड़ा उलटफेर था, जिसने कंगारूओं को बाहर का रास्ता दिखाने में अपनी भूमिका निभाई। वहीं, ग्रुप स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में जिम्बाब्वे ने सह-मेजबान श्रीलंका को भी 6 विकेट से हराया। टूर्नामेंट में चार ग्रुप मैचों में जिम्बाब्वे का बैटिंग ऑर्डर काफी दमदार नजर आया है। ब्रायन बेनेट के बल्ले से लगातार रन निकल रहे हैं। वह 3 मैचों में 175 रन बना चुके हैं। कप्तान सिकंदर रजा बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दे रहे हैं। गेंदबाजी में ब्लेसिंग मुजारबानी का प्रदर्शन अब तक कमाल का रहा है। 3 मैचों में वह 9 विकेट निकाल चुके हैं और टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में अभी तीसरे नंबर पर काबिज हैं।

महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स

भारत-ए टीम फाइनल में पहुंची, राधा यादव बनीं जीत की नायक

बैंकॉक । भारत की बेटियों ने एसीसी महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। टेर्डथाई क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए पहले सेमीफाइनल मुकाबले में भारत-ए टीम ने श्रीलंका-ए को 5 विकेट से हराया। टीम की इस जीत की नायक कप्तान राधा यादव रहीं, जिन्होंने सिर्फ 19 रन देकर 4 विकेट चटकाए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका-ए ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज संजना काविंदी ने सर्वाधिक 35 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान संजना ने 5 चौके लगाए। वहीं, शशिनी गिम्हानी ने 17 गेंदों में 22 रन बनाए। हालांकि, इन दोनों के अलावा टीम की अन्य बल्लेबाज क्रीज पर टिककर नहीं खेल सकीं और पूरी टीम 19.4 ओवर में 118 रन बनाकर सिमट गई। भारत-ए की तरफ से कप्तान राधा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3.4 ओवर के स्पेल में महज 19 रन देकर चार बड़े विकेट निकाले, जबकि प्रेमा रावत ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 9 रन देकर 2 विकेट चटकाए।

119 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया-ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। नंदिनी कश्यप 13 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, इसके बाद दूसरे विकेट के लिए अनुष्का शर्मा और वृंदा दिनेश ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 48 रनों की अहम साझेदारी निभाई। अनुष्का 18 गेंदों में 27 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। वहीं, वृंदा ने महज 20 गेंदों में 42 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली।

गेंदबाजी में 4 विकेट लेने के बाद राधा यादव ने बल्ले से भी अहम योगदान दिया। राधा 18 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 31 रन बनाकर नाबाद रहीं और टीम को जीत दिलाकर लौटीं। राधा यादव को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 22 फरवरी को खेला जाना है। बांग्लादेश-ए और पाकिस्तान-ए के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भारत-ए की खिताबी मुकाबले में भिड़ंत होगी।

बाबर आजम का न्यूजीलैंड के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार

पाकिस्तान को इन तीन कीवी बल्लेबाजों से बचना होगा

कोलंबो । टी20 विश्व कप 2026 का पहला सुपर-8 मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है। इस मैच पर भारी बारिश का खतरा है, लेकिन अगर मैच होता है, तो इसके रोमांचक होने की पूरी संभावना है। मैच होने की स्थिति में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम के साथ ही न्यूजीलैंड के तीन बल्लेबाजों पर नजर रहेगी। बाबर आजम टी20 विश्व कप 2026 में अब तक कोई प्रभावशाली पारी नहीं खेल सके हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका रनों का सूखा समाप्त हो सकता है। दरअसल, बाबर आजम का न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 में बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है। वह दोनों देशों के बीच अब तक खेले गए टी20 मुकाबलों में शीर्ष स्कोरर हैं।

बाबर आजम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अब तक 26 टी20 मैचों में 24 पारियों में 41.90 की औसत और 131.93 की स्ट्राइक रेट से 880 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 1 शतक और 8 अर्धशतक निकले हैं। सर्वाधिक स्कोर नाबाद 101 है। न्यूजीलैंड के खिलाफ बाबर के पास फिर से अपनी फॉर्म हासिल करने का मौका है। बाबर आजम के अलावा फखर जमां दूसरे ऐसे बल्लेबाज हैं जिनके पास न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलने का अच्छा अनुभव है और उनका रिकॉर्ड भी अच्छा है। फखर ने 17 मैचों की 16 पारियों में 3 अर्धशतक की मदद से 439 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 134.25 रहा है। हालांकि, फखर इस विश्व कप में पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने में कामयाब नहीं रहे हैं।

पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के तीन बल्लेबाजों से बचना होगा। लंबे समय से पाकिस्तान के खिलाफ टी20 में अच्छा प्रदर्शन कर रहे ये तीनों खिलाड़ी विश्व कप में न्यूजीलैंड की प्लेइंग इलेवन का नियमित हिस्सा हैं।

इशान समेत 3 खिलाड़ी अब भारत के लिए होंगे अहम

संजय बांगड़ ने नहीं लिया वरुण, हार्दिक या शिवम दुबे का नाम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी व बैटिंग कोच संजय बांगड़ ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बाकी बचे मैचों के लिए उन 3 खिलाड़ियों के नाम लिए जो अब टीम इंडिया के लिए अहम होंगे। हालांकि इसके लिए उन्होंने अभिषेक शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, हार्दिक पंड्या या फिर शिवम दुबे का नाम नहीं लिया।

डिफेंडिंग चैंपियन भारत अपने सुपर 8 कैंपेन की शुरुआत 22 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पिछले सीजन के फाइनलिस्ट साउथ अफ्रीका के खिलाफ करेगी। इसके बाद टीम इंडिया 26 फरवरी को चेन्नई में जिम्बाब्वे और फिर एक मार्च को कोलकाता में वेस्टइंडीज से भिड़ेगी।

इशान, सूर्यकुमार, बुमराह होंगे सबसे अहम– खिताब के लिए भारत की असली लड़ाई 22 फरवरी से शुरू होगी और भारत के पूर्व बैटिंग कोच संजय बांगड़ ने इशान किशन को तीन सबसे अहम खिलाड़ियों में पहले नंबर पर चुना। स्टार स्पोर्ट्स पर संजय बांगड़ ने कहा कि यहां से तीन खिलाड़ी जो भारत के लिए अहम होने वाले हैं उसमें इशान किशन सबसे अहम हैं। वो अभिषेक शर्मा के नहीं चलने पर भी भारत के लिए जिस तरह से रन बना रहे हैं उन पर टीम को अच्छी शुरुआत देने की जिम्मेदारी है और वो नंबर एक खिलाड़ी हैं।

संजय बांगड़ ने आगे कहा कि इन तीन खिलाड़ियों में मेरे लिए दूसरे नंबर पर टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव हैं। उन्होंने ज्यादातर मैचों में टीम के लिए रन बनाए हैं और वो मैच की परिस्थिति को समझते हैं। मेरे लिए तीसरे खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह होंगे।

उन्होंने आगे कहा कि हर कोई इस इंडियन टीम के स्पिन पहलू के बारे में बात कर रहा हूं, लेकिन मेरा मानना है कि जब मैच दांव पर होगा तो बॉलिंग के मामले में बुमराह अहम भूमिका निभाएंगे।

'इंडियन वेल्स टूर्नामेंट': 45 साल की वीनस विलियम्स को मिली वाइल्ड कार्ड एंट्री

नई दिल्ली । दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी और 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को इस साल के इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने वीनस को वाइल्ड कार्ड एंट्री दिए जाने की पुष्टि की है। 1-15 मार्च तक दक्षिणी कैलिफोर्निया में होने वाले इस टूर्नामेंट में वीनस विलियम्स एकल और डबल्स दोनों श्रेणियों में हिस्सा लेंगी। वाइल्ड कार्ड एंट्री मिलने से उत्साहित वीनस विलियम्स ने कहा, 'इंडियन वेल्स वापस जाना और कैलिफोर्निया में अपने घर लौटना बहुत अच्छा है। जबरदस्त फैंस के सामने खेलने जैसा कुछ नहीं है। मैंने इतने सालों में यहां बहुत सारी यादें बनाई हैं। मैं आयोजकों की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे वापस बुलाया। '

पूर्व वर्ल्ड नंबर वन और चार बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट विलियम्स ने पहले भी इंडियन वेल्स में काफी सफलता हासिल की है। वह तीन बार सेमीफाइनल तक पहुंची हैं। आखिरी बार 2024 में वाइल्ड कार्ड एंट्री के माध्यम से ही उन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

45 साल की विलियम्स ने 2026 का कैंपेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से शुरू किया था। उन्हें वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी। हालांकि, वह पहले दौर से ही बाहर हो गई थीं, लेकिन ओपन एरा में ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड उन्होंने अपने नाम कर लिया।

विलियम्स ने शुरुआती सेट में कड़ा मुकाबला जीता, लेकिन दूसरे सेट में डैनिलोविच ने बेसलाइन से वापसी की। सर्बियाई खिलाड़ी ने डिसाइडर में भी अपना नियंत्रण बनाए रखा, और अहम मौकों पर विलियम्स की सर्विस तोड़कर मैच अपने नाम कर लिया। हार के बावजूद, विलियम्स ने नौ एस और फर्स्ट-सर्व पॉइंट्स पर 71 प्रतिशत सफलता दर से सबको प्रभावित किया। हालांकि पांच डबल फॉल्ट महंगे साबित हुए।

आपके सुबह व शाम के भोजन में सलाद के लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यदि आप कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है।

स्वस्थ जीवन के चार स्तंभ

स्वास्थ्यवर्धक आहार बीमारियों से बचाव का कारगर उपाय है। कैंसर के एक तिहाई मामलों में कहीं न कहीं पोषण की कमी ज़िम्मेदार होता है। रोगाणुओं का आक्रमण होने पर शरीर इससे किस तरह उबरता है, यह आपके आहार पर काफी निर्भर होता है। शरीर को सभी पोषक तत्व मिलने से रोग प्रतिरोधक प्रणाली बेहतर ढंग से कार्य करेगी।

अच्छे खानपान से स्फूर्ति बनी रहती है। पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वों मिलते रहें तो कोशिकाओं का पुनर्जीवन और ऊतकों की मरम्मत आसानी से होती है। दूसरी ओर शरीर में इनकी कमी हो तो यह काम मुश्किल हो जाता है और बीमारी से उबरने के लिए शरीर को मशक्कत करनी पड़ती है या वो यह काम ठीक से कर ही नहीं पाता। नतीजा बीमारी के रूप में सामने आता है।

कसरत बनाए ताक़तवर

अधिकतर बीमारियों से उबरने के लिए आराम जरूरी होता है। लेकिन आराम करके कुछ ठीक होने के बाद शारीरिक गतिविधि फिर से शुरू करना भी उतना ही जरूरी है। इससे मांसपेशियां तो मजबूत होंगी ही, मनोबल भी बढ़ेगा।

व्यायाम करने के लिए ज़रूरी नहीं कि जिम या हेल्थ क्लब जॉइन किया जाए, पैदल चलना या घर के काम करना भी उतना ही फायदेमंद होता है। हर हफ्ते कम से कम पांच दिन तीस मिनटों के लिए कोई ऐसा काम या गतिविधि करें जिससे आपको थोड़ी थकान महसूस हो।

नींद से होगी मरम्मत

आपने कभी ध्यान दिया होगा कि जब थके होने पर आप संक्रमण के कब्जे में जल्दी आते हैं। अमेरिका स्थित कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय के एक शोध से पता चला कि व्यक्ति जितनी कम नींद लेगा, सर्दी-ज़ुकाम की चपेट में उतना ही आसानी से आ जाएगा। ऐसा इसलिए हो सकता है कि नींद की कमी से रोग प्रतिरोधक प्रणाली प्रभावित होती है और इसकी संक्रमण से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है।

हमारे शरीर को चलायमान और स्वस्थ रखने के लिए निरंतर कई तंत्र काम करते रहते हैं। इन प्रक्रियाओं के दौरान छोटी-मोटी टूट-फूट भी होती हैं। इस तरह की मरम्मत का काम शरीर तब करता है तब हम आराम करते हैं। जब हम सो रहे होते हैं तो अन्य प्रणालियों का काम धीमा हो जाता है इसलिए शरीर इससे बची ऊर्जा को मरम्मत के लिए इस्तेमाल करता है।

यह तो स्वस्थ शरीर की बात हुई। बीमारी या चोट के कारण शरीर में हुई क्षतिपूर्ति के लिए अधिक आराम की आवश्यकता होती है। बढ़िया नींद मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। नींद पूरी न होने पर आप शारीरिक और मानसिक तौर पर उतना अच्छा महसूस नहीं करते हैं। अध्ययनों से यह भी पता चला है कि जिन लोगों की नींद पूरी नहीं हो पाती उन्हें दर्द का एहसास अधिक होता है और उन्हें बीमारी से उबरने के लिए समय भी अधिक लगता है।

सकारात्मक सोच

किसी भी बीमारी से उबरने में सकारात्मक सोच का बड़ा महत्व है। सकारात्मक सोच का बड़ा फायदा तब मिलता है जब दृढ़ इच्छाशक्ति से जीवनशैली में कोई बड़ा परिवर्तन घटित होता है। इस सब के अलावा आप इस परिवर्तन से क्या और कितनी उम्मीदें लगा रहे हैं उससे बहुत फर्क पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर यदि आप उच्च रक्तचाप से छुटकारा पाने के लिए जीवनशैली में परिवर्तन कर रहे हैं, और खानपान पर सख्त नियंत्रण साध रहे हैं तब तो आप यह उम्मीद भी करें क्योंकि इससे आपका वजन भी कम होगा। मोटापे से मुक्ति मिलने के साथ ही आप कई रोगों के जोखिम से भी दूर हो जाएंगे।

सही निदान, समय पर शुरू किया गया इलाज और प्रभावी दवा किसी भी बीमारी से उबरने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। लेकिन मानव शरीर मशीन नहीं होता और बीमारी के ठीक होने की प्रक्रिया हर किसी में अलग-अलग तरह से होती है। आपकी शारीरिक अवस्था, रोग प्रतिरोधक क्षमता और इच्छाशक्ति भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। चार अहम कदम रखेंगे बीमारियों को दूर हर दम।

वजन संतुलित रखने वाले पांच आहार

सलाद

सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं जो शरीर के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ ही भोजन के पाचन में भी सहायक होते हैं। इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। यदि आप सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आपको रोजाना कम से कम एक बड़ा कप हरी सलाद खानी चाहिए।

छिलके वाली दालें

छिलके वाली दालों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। प्रोटीन के साथ ही दालों में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन बी आदि होता है। इनका रोजाना सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है।

पीले व खट्टे फल

फलों में सबसे अधिक गुणकारी खट्टे फल होते हैं। पीले व नारंगी रंग के फलों में बीटा केरोटिन व एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। खट्टे फलों का सेवन डाइबीटिज, कैंसर, एनीमिया, मोतियाबिंद, अस्थमा, किडनी में पथरी आदि रोगों में लाभदायक होता है। इन फलों को निरंतर सेवन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

तरल, जूस व ड्रिंक

भोजन के पूर्व या पश्चात यदि आप तरल पदार्थ लेने के आदी हैं तो इस सर्द मौसम में भी आप छाछ, लस्सी, दही व फ्रूट जूस का सेवन कर सकते हैं। दही, छाछ व ताजे फलों का रस आपके शरीर के लिए गुणकारी होता है। खट्टे फलों में नींबू का रस वजन कम करने, डेंटल केयर, बुखार, रक्त शुद्धि आदि में सहायक होता है। भोजन के बाद ली जाने वाली छाछ में दूध की अपेक्षा फैट की मात्रा कम होती है। यदि हम लिक्विड में नारियल पानी की बात करें तो इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, शर्करा व वसा की कम मात्रा होती है।

अंकुरित अनाज

अंकुरित किए जाने से अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा दुगुनी हो जाती है। चना, मूंग, सोयाबीन, मटर आदि को अंकुरित करके खाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में नाश्ते में अंकुरित अनाज को शामिल करना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर है। भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन आप सूप या सलाद के साथ भी कर सकते हैं। सुलभ, सस्ता, बनाने में आसान व पौष्टिक होने के कारण अंकुरित अनाज का सेवन आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है। विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि की भरपूर मात्रा होने के कारण अंकुरित अनाज हमारे भोजन के पाचन में भी सहायक होता है।

सर्दियों में कैसा हो डाइटचार्ट

सर्दियों का मौसम सेहत बनाने का होता है। इस समय डाइजेशन सिस्टम पूरी क्षमता से काम करता है। सभी हैवी डाइट खाना पसंद करते हैं। ड्राईफ्रूट्स और नट्स मेन्यू में शामिल किए जाते हैं। हैवी डाइट की शर्त है कि उसके साथ खूब कसरत की जाए। हम जैसा भोजन करते हैं, उसका असर हमारे तन व मन दोनों पर होता है। मौसम के बदलते ही अपने शरीर को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के लिए हमें अपने भोजन में कुछ फेरबदल करने होते हैं। हेल्थ कांशियस युवाओं के लिए यह मौसम चुनौतियों से भरा होता है। सर्द मौसम में व्यायाम कर अपने शरीर को ऊर्जावान बनाए रखना जरूरी है साथ ही ऐसा आहार जिनकी कम मात्रा लेने पर भी उनके शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। सर्दियों में अपनी डाइट को लेकर आप कन्फ्यूज हैं तो हम लेकर आए हैं- सर्दी के मौसम में लो फैट विद हाई कैलोरी से भरपूर भोजन की जानकारी। इन्हें अपने डाइटचार्ट में शामिल कर आप अपने शरीर के बढ़ते वजन को नियंत्रित रख पाएंगे।

सर्दियों में युवाओं की डाइट -इस मौसम में अपने शरीर से थकान व आलस्य को दूर भगाने के साथ ही दिन भर स्फूर्ति और ऊर्जा से भरपूर रहने के लिए युवाओं को डाइट चार्ट का पालन करना चाहिए।

ब्रेकफास्ट सुपर - सुबह का नाश्ता हमें ऊर्जा देता है। नाश्ते में अंडे के साथ ब्रेड, उपमा, सैंडविच, डोसा आदि ले सकते हैं। रोजाना नाश्ते के बाद मलाई निकले हुए एक गिलास गर्म दूध का सेवन करना न भूलें। इन सबके साथ एक प्लेट फ्रूट या वेजीटेबल सलाद आपके नाश्ते को कम्प्लीट करेंगे।

लंच स्पेशल - दोपहर के भोजन में हरी सब्जी, चपाती, ताजा दही या छाछ, छिलके वाली दाल के साथ चावल, गरमा-गरम सूप ले सकते हैं। लंच में हरी चटनी भोजन में मल्टीविटामिन्स की कमी को पूरा करती है।

डिलीशियस डिनर - सर्दियों में रात को आप जल्दी भोजन करने की आदत डालें। रात का भोजन आपके दोपहर के भोजन की अपेक्षा हल्का होना चाहिए। रात को भोजन में आप खिचड़ी या दलिया जैसे हल्के भोजन का सेवन करें। सोने से कम से कम 4 घंटे पहले भोजन करने से शरीर में भोजन का पाचन अच्छे से होता है। रात को सोने से पहले हल्दी, खारेक या अदरक मिले एक गिलास गर्म दूध का सेवन अवश्य करें।

थकान उतारें ऐसे

अधिक परिश्रम करने से शरीर में थकान आ जाती है, शरीर सुस्त हो जाता है। फिर कुछ काम करने का मन नहीं करता, सिर्फ आराम की जरूरत महसूस होती है। थकान उतारने के लिए आप कुछ इस तरह प्रयास करें- अपनी दो अंगुलियों के पोरों से चेहरे की हल्की मालिश करें। इससे ब्लड सर्कूलेशन बढ़ेगा, जिससे आप महसूस करेंगे कि आपकी थकान रफूचक्कर हो गई है।

- नाक के दोनों ओर हल्की मालिश करते हुए धीरे-धीरे दोनों आंखों के बीच वाले भाग से लेकर आंखों के नीचे भी हल्की मालिश करें। फिर इसी तरह से भौहों तक पहुंचें।
- भौहों पर हल्का दबाव डालते हुए अंदर से बाहर की ओर मालिश करें।
- अब आंखों के बाहरी किनारों पर मालिश करते हुए ललाट तक पहुंचें।
- इसके बाद आंखों के एकदम नीचे की ओर आएं। गालों के बीच हल्की मालिश करते हुए फिर ऊपर से ही मसूड़ों की भी मालिश करें। इसके बाद जबड़ों को अंगुलियों की पकड़ में लें और जबड़ों के किनारों पर हल्का दबाव डालें।
- कई बार सुगंधित तेल के प्रयोग से भी शरीर की थकावट को भगाया जा सकता है। सुगंधित तेल से प्रभावित अंग की हल्की मालिश करने से ताजगी महसूस होती है, इसके लिए सुगंधित तेल की कुछ बूंदें वनस्पति तेल में मिलाकर मालिश करनी चाहिए।

'भागम भाग 2' में हुई मनोज बाजपेयी की एंट्री! गोविंदा को करेंगे रिप्लेस?

बॉलीवुड में इन दिनों पुरानी कल्ट फिल्मों के सीक्वल बनाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में अब साल 2006 में आई कल्ट कॉमेडी फिल्म 'भागम भाग' का सीक्वल भी बनने जा रहा है। फिल्म को लेकर काफी दिनों से चर्चाएं चल रही हैं। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि फिल्म इस साल फ्लोर पर आ जाएगी। इस बीच अब 'भागम भाग 2' को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है।

गोविंदा की जगह लेंगे मनोज

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'भागम भाग 2' की कास्ट में एक बड़ा बदलाव किया गया है। सीक्वल में जहां अक्षय कुमार और परेश रावल की वापसी हुई है। वहीं गोविंदा की जगह फिल्म में मनोज बाजपेयी नजर आ सकते हैं। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म निर्माताओं ने मनोज बाजपेयी को कास्ट कर लिया है। मनोज बाजपेयी फिल्म में गोविंदा की जगह लेंगे। यह खबर हाल ही में सामने आई है। 'भागम भाग' में गोविंदा के किरदार को काफी पसंद किया गया था। उनकी कॉमिक टाइमिंग वैसे भी काफी पसंद की जाती है। ऐसे में अब गोविंदा की जगह मनोज बाजपेयी को लेना, कितना कारगर रहेगा ये तो फिल्म रिलीज के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल अभी तक मेकर्स की ओर से 'भागम भाग 2' की कास्ट को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

राज शांडिल्य करेंगे निर्देशन

फिल्म को लेकर अभी तक आ रहीं खबरों के मुताबिक, सीक्वल का निर्देशन राज शांडिल्य करेंगे और इसकी कहानी भी पहचान को लेकर होने वाली गलतफहमी पर आधारित होगी। जबकि 'भागम भाग' का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। फिल्म में मीनाक्षी चौधरी अक्षय कुमार के साथ मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी। जबकि मनोज बाजपेयी के अपोजिट नजर आने वाली हीरोइन की तलाश अभी जारी है। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग अगले महीने से मुंबई में शुरू होने की खबरें हैं।

अनुभव सिन्हा की इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी तापसी

तापसी पन्नू निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ आने वाली इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी। दमदार मोशन पोस्टर से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, निर्माताओं ने फिल्म को सीधे दर्शकों तक ले जाने की शुरुआत कर दी है—और इसकी शुरुआत आज जयपुर में एक खास ऑन-ग्राउंड शोकेस से हुई। फिल्म की अनोखी प्रमोशनल स्ट्रेटेजी के तहत, तापसी पन्नू ने जयपुर मीडिया के साथ एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस की, वहीं टीम ने साथ ही बड़े पर्दे पर अस्सी का ट्रेलर भी दिखाया। अभिनेत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ ट्रेलर देखा, पत्रकारों, फैंस और डिजिटल क्रिएटर्स से सीधे संवाद किया और फिल्म तथा उसके सशक्त विषय पर अपने विचार साझा किए। अस्सी के मोशन पोस्टर ने अपने सख्त टोन और तात्कालिक संदेश के कारण पहले ही काफी उत्सुकता पैदा कर दी थी, जिसने एक हार्ड-हिटिंग सिनेमैटिक अनुभव की मजबूत नींव रखी। जयपुर दौरे ने इस उत्साह को और बढ़ाया, जहां दर्शकों ने फिल्म के तीव्र कोर्टरूम माहौल और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कहानी को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेज रफ्तार इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर के रूप में पेश की जा रही अस्सी, एक बिल्कुल नए तरह के

कोर्टरूम ड्रामा के जरिए आगे बढ़ती है, जो देश में रोज़ाना दर्ज होने वाले लगभग अस्सी यौन उत्पीड़न मामलों की भयावह सच्चाई से प्रेरित है। फिल्म को एक अर्जेंट वॉच के तौर पर पोज़िशन किया जा रहा है, जो मजबूत महिला नायिकाओं के नेतृत्व में सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियों के लिए बढ़ती दर्शक रुचि को दर्शाता है। तापसी पन्नू के साथ फिल्म में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब भी अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा की विशेष प्रस्तुतियाँ फिल्म की रोमांचक गहराई को और बढ़ाती हैं। गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ प्रस्तुत अस्सी , बेनारस मीडिया वर्क्स के बैनर तले बनी है। फिल्म का निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है और निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और अनुभव सिन्हा ने किया है। अस्सी 20 फरवरी 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में विशेष रूप से रिलीज होगी।

सई मांजरेकर ने साझा किया 'द इंडिया हाउस' का अनुभव

भारतीय सिनेमा की पैन-इंडिया फिल्मों में काम करना जितना रोमांचक होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। इस कड़ी में अभिनेत्री सई मांजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म 'द इंडिया हाउस' को लेकर काफी बिजी हैं। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषा में एक साथ शूट की जा रही है। सई का कहना है कि इस तरह की फिल्म में काम करने के लिए कलाकार को हर समय भावनात्मक और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहना पड़ता है। सई मांजरेकर ने कहा, ' 'द इंडिया हाउस' मेरे लिए अब तक का अलग अनुभव रहा है। जब एक ही सीन को दो भाषाओं में शूट किया जाता है, तो कलाकार को भाषा की लय, भाव और भावनात्मक गहराई को बारीकी के साथ समझना पड़ता है। कई बार ऐसा होता है कि एक ही सीन पहले एक भाषा में और तुरंत बाद दूसरी भाषा में करना होता है, जिससे कलाकार को हर पल सतर्क रहना पड़ता है।' उन्होंने कहा, ' 'इस तरह की फिल्मों में अभिनय का तरीका भी थोड़ा बदल जाता है। यहां सिर्फ शब्दों से नहीं, बल्कि भावनाओं से कहानी को आगे बढ़ाना होता है। हर भाषा की अपनी एक संवेदना होती है और उसी के अनुसार किरदार की भावनाएं भी बदलती हैं। ऐसे में कलाकार को अपने अभिनय को बार-बार ढालना पड़ता है, ताकि किरदार हर भाषा में उतना ही सच्चा लगे।''

सई ने कहा, ' 'मेरी पिछली फिल्म 'मेजर' की शूटिंग का अनुभव इस फिल्म में काफी काम आया। उस फिल्म से मुझे यह समझने में मदद मिली कि द्विभाषी फिल्मों की शूटिंग कैसे होती है और कलाकार को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। हालांकि हर प्रोजेक्ट की अपनी अलग पहचान और चुनौतियां होती हैं। 'द इंडिया हाउस' की कहानी और उसका ऐतिहासिक संदर्भ इसे बाकी फिल्मों से अलग बनाता है।''

'द इंडिया हाउस' फिल्म में सई मांजरेकर 'सती' नाम की महिला का किरदार निभा रही है। इस पर सई ने कहा, ' 'सती का किरदार निभाने के लिए मुझे उस समय के माहौल, सोच और भावनाओं को गहराई से समझना पड़ा। सती बाहर से शांत दिखाई देती है, लेकिन उसके भीतर साहस, दर्द और संघर्ष छिपा है। इन भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के दर्शकों तक पहुंचाना मेरे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी हैं।'' पैन-इंडिया फिल्मों की खास बात बताते हुए सई ने कहा, ' 'ऐसे प्रोजेक्ट्स में काम करने का सबसे अच्छा पहलू टीमवर्क होता है। सेट पर अलग-अलग राज्यों और भाषाओं से आए कलाकार और तकनीशियन एक साथ काम करते हैं। सबका लक्ष्य कहानी को ईमानदारी से पर्दे पर उतारना होता है। यह सामूहिक भावना कलाकार को और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।''

सई ने अपने सह-कलाकार निखिल सिद्धार्थ, निर्देशक वामसी और पूरी टीम की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ' 'सेट पर काम करने का माहौल बेहद सकारात्मक और कहानी पर केंद्रित रहता है। जब निर्देशक और पूरी टीम कहानी को लेकर गंभीर होती है, तो कलाकार भी अपने किरदार में और गहराई से उतर पाता है।''

आदित्य के साथ हॉरर थ्रिलर बनाएंगे करण जौहर

धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले करण जौहर एक नई हॉरर थ्रिलर फिल्म बनाने जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह फिल्म पूरी तरह प्योर हॉरर जॉनर की होगी और इस वक्त कास्टिंग स्टेज में है। इससे पहले करण, कार्तिक आर्यन के साथ क्रिएचर कॉमेडी 'नागजिला' और एक क्रिएचर थ्रिलर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हालांकि इस हॉरर थ्रिलर में आदित्य रॉय कपूर को लीड रोल के लिए लॉक कर लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, आदित्य ने स्क्रिप्ट पढ़ते ही प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी। यह एक यूनिक कॉन्सेप्ट पर आधारित फिल्म है और धर्मा प्रोडक्शंस को इसके थिएट्रिकल पोटेंशियल पर पूरा भरोसा है। इस फिल्म की शूटिंग मई 2026 से शुरू होने की तैयारी है। एक टॉप टियर फीमेल लीड को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है।

ऋतिक की 'कृष 4' में फाइनल चोपड़ा की एंट्री हुईं प्रियंका

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार... 'प्रियंका को ऋतिक रोशन की सुपरहिट फिल्म 'कृष 4' में फीमेल लीड के रूप में फाइनल कर लिया गया है। प्रियंका ने इस फ्रेंचाइज की पिछली दो फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई थी, इसके बाद उन्होंने हॉलीवुड की ओर फोकस किया और अपने पर्सनल लाइफ, खासकर शादी में बिजी हो गई थीं। फिल्म 'वाराणसी' का शूट पूरा करने के बाद प्रियंका 'कृष 4' की शूटिंग शुरू करेंगी। हालांकि अभी मेकर्स या प्रियंका की तरफ़ से कोई स्टेटमेंट नहीं आया है। 'कृष 4' को ऋतिक 700 करोड़ रुपए के बजट पर बनाना चाहते हैं। इस फिल्म को डायरेक्ट भी खुद ऋतिक करेंगे। बता दें कि 2003 में राकेश के निर्देशन में साइंस फिक्शन फिल्म 'कोई.... मिल गया' रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉलीवुड को एक नया सुपरहीरो दिया। 'कोई मिल गया' के बाद आई 'कृष', यह भी सुपरहिट रही। फिर राकेश रोशन ने 'कृष 3' के लिए लंबा इंतजार करवाया। 2006 में 'कृष' की सफलता के बाद 'कृष 3' 2013 में आई। इसमें विवेक ओबेरॉय विलेन बने थे। इस फिल्म के अलावा प्रियंका इन दिनों अपनी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर भी चर्चा में हैं। इसमें उनके साथ महेश बाबू लीड रोल में दिखाई देंगे। यह एक बड़े बजट की फिल्म होगी।

सुनील शेट्टी ने बेटे अहान के प्रोफेशनलिज्म को लेकर बात की

अहान शेट्टी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच अब अहान शेट्टी की फिल्म 'सनकी' के बंद होने की चर्चाएं एक बार फिर से उठी हैं। दरअसल, इस फिल्म के बंद होने की वजह अहान शेट्टी के सपोर्टिंग स्टाफ पर आने वाले अधिक खर्च को बताया गया था। कई रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया था कि अहान शेट्टी के सहयोगी स्टाफ पर अधिक खर्च आने के कारण मेकर्स ने 'सनकी' फिल्म को ठंडे बस्ते में डाल दिया। अब इन चर्चाओं पर अहान के पिता व अभिनेता सुनील शेट्टी ने प्रतिक्रिया दी है।

प्रोड्यूसर ने फैलाई अफवाहें

2021 में अहान की डेब्यू फिल्म 'तड़प' के रिलीज होने के बाद उनकी अगली फिल्म 'सनकी' को अचानक रोक दिया गया। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि यह फैसला अहान के साथ आए लोगों के कारण कथित तौर पर हुए खर्चों से बढ़ी चिंताओं के बाद लिया गया है। अब लहरें रेट्रो के साथ बातचीत में अभिनेता सुनील शेट्टी ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने बेटे अहान के प्रोफेशनलिज्म को लेकर भी बात की। सुनील शेट्टी ने कहा कि अहान ने कभी भी अपने साथ आए लोगों को हद से ज्यादा नहीं रखा। ये सब अफवाहें हैं। ये अफवाहें निर्माता की सुविधा के लिए फैलाई गई हैं। अगर निर्माता कहता है कि वह बिल दिखा सकता है, तो मैं देखूंगा। ऐसे में पिता को दखल देना पड़ता है और मैं साफ तौर पर दखल दूंगा। अपनी कमजोरियों को छिपाने के लिए झूठ मत फैलाओ, क्योंकि यह अहान के साथ नाइंसाफी है।

अहान खुद उठाते हैं अपने स्टाफ का खर्च

सुनील शेट्टी ने आगे कहा कि अहान अपने साथ आने वाले लोगों को लेकर बहुत सतर्क रहते हैं। अगर वे उनके साथ आते हैं, तो उनका खर्च वही उठाते हैं। उन्हें इस बात का पूरा एहसास है। जब सुनील शेट्टी घर से खाना-पानी लाते हैं, तो मेरे स्टाफ को कहा गया है कि अगर आप यूनिट का खाना खा रहे हैं, तो ठीक है, लेकिन अगर आप बाहर से खाना मंगवाना चाहते हैं, तो बिल मेरे नाम से बनवाएं, निर्माता के नाम से नहीं। मेरा स्टाफ ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर सकता, इसलिए अहान का स्टाफ तो ऐसा बिल्कुल नहीं करेगा। अहान तो अभी-अभी इंडस्ट्री में आए हैं। यह उनका इंडस्ट्री में जमने का समय है, इसलिए कोई नखरे नहीं चलेंगे। ऐसा हो ही नहीं सकता।

कई रिपोर्ट्स में इन कारणों का भी किया गया जिक्र

कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि साजिद नाडियाडवाला ने शुरू में 'सनकी' को आगे बढ़ाया था और प्राइम वीडियो के साथ एक बड़ा डिजिटल सौदा भी किया था। हालांकि, इस सबके बावजूद सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स से कम कमाई के कारण प्रोजेक्ट को रोक दिया गया। इसके साथ ही कथित तौर पर अहान के सपोर्ट स्टाफ का अत्यधिक खर्च भी इसका कारण बना। लेकिन अब सुनील शेट्टी ने अहान के सपोर्ट स्टाफ के खर्च की बात को झूठा करार दिया है।

अहान शेट्टी ने साल 2021 में आई एक्शन-रोमांटिक फिल्म 'तड़प' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। हालांकि, इसके बाद लगभग चार साल से अधिक समय तक वो बड़े पर्दे से दूर रहे। अब इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई 'बॉर्डर 2' अहान की दूसरी फिल्म है। फिल्म में उन्होंने नेवी ऑफिसर की भूमिका निभाई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। वहीं अहान के काम को भी पसंद किया गया है।

स्वामित्व, प्रकाशन एवं संपादन झ कृष्णा टेकरीवाले प्रकाशित समाचारों की सत्यता हेतु संबंधित संवाददाता जिम्मेदार होंगे विज्ञापन हेतु मोबाइल : 9801716267